लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

27 नवम्बर 2026 शुक्रवार
वर्ष : 20 अंक: 143
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

अधिकार के साथ कर्तव्य बोध कराता है संविधान : सीएम

- संविधान गौरव दिवस समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- संविधान को लेकर भ्रम फैलाने वालों से सतर्क रहने की जरूरत



लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की संप्रभुता किसी व्यक्ति, परिवार या जाति विशेष में नहीं, बल्कि देश के आम नागरिक में निहित है। संविधान ने प्रत्येक भारतीय को अधिकार और दायित्व दिया है कि वह देश का संरक्षक है। कोई व्यक्ति या परिवार यह दावा नहीं कर सकता कि उसके कारण भारत अस्तित्व में है या वही भारत का संरक्षक है। भारत का हर नागरिक संविधान की गरिमा और लोकतंत्र की रक्षा का उत्तरदायी है। मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में संविधान गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संविधान हम सबका गौरव और 145 करोड़ भारतवासियों का मार्गदर्शक है। यह हमें अधिकारों का स्मरण कराने के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराता है और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का अहसास कराता है। संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के उस विचार को ध्यान में रखा था कि भारत का राजनीतिक भाग्य भारतवासी स्वयं तय करेंगे। इसी भावना से संविधान निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। भारत का संविधान दुनिया के उन विशिष्ट संविधानों में है, जिसने पहले दिन से ही बिना किसी जाति, क्षेत्र, भाषा और लैंगिक भेदभाव के प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार प्रदान किया। दुनिया के कई ऐसे देश, जो स्वयं को लोकतंत्र का बड़ा समर्थक बताते हैं वहां लंबे समय तक रंगभेद और लिंगभेद के आधार पर नागरिकों को समान अधिकारों से वंचित रखा गया। लेकिन भारत ने संविधान लागू होने के पहले दिन से ही प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार दिया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कुछ लोग भ्रम की स्थिति पैदा करके लाल पुस्तिका लेकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि उन्होंने संविधान की प्रति पढ़ी होती तो शायद भारत की संप्रभुता के संरक्षक होने का दावा करने का दुस्साहस नहीं करते। जब उन्हें अवसर मिला था, तब उन्होंने संविधान का गला घोंटने का प्रयास किया। आजादी के तत्काल बाद पहला संविधान संशोधन प्रेस की आजादी को बंधक बनाने के लिए किया गया। समय–समय पर अपने स्वार्थ के लिए संविधान में संशोधन किए गए। इन लोगों ने केवल संविधान ही नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को भी कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। भारत पर लगातार आक्षेप लगाए और लोकतंत्र को कमजोर करने के षड्यंत्र किए।

ऐसे लोगों के प्रयासों से सावधान रहना होगा। संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिशों से देश को बचाना हम सभी का दायित्व है। कांग्रेस ने बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर को कभी भारत रत्न नहीं लेने दिया। उन्हें संसद तक पहुंचने से रोकने के लिए भी प्रयास किए गए और उन्हें चुनाव हराने के लिए तमाम षड्यंत्र किए गए। पिछली सरकारों ने महापुरुषों के सम्मान की उपेक्षा की।

मुसलमानों को राजनीतिक हिस्सेदारी देने में नाकाम रहे दल : ओवैसी



लखनऊ,संवाददाता। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से प्रदेश में पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। संविधान दिवस पर लखनऊ में आयोजित सामाजिक परिवर्तन मोर्चा की पहली संयुक्त रैली में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दोनों दलों पर संविधान की रक्षा करने और मुसलमानों को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। ओवैसी ने विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि यह गठबंधन भाजपा को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने से रोकेगा। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा, ऑल इंडिया मजलिस –ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का गठबंधन है। मोर्चे ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। ओवैसी ने बीआर आंबेडकर का हवाला देते हुए कहा कि संविधान स्वतंत्रता, बंधुत्व, न्याय और समानता की गारंटी देता है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर इन सिद्धांतों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा, न्याय बुलडोजर या मुठभेड़ से नहीं मिलेगा। न्याय बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान से मिलेगा। कानून का राज फिर से बहाल होगा।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश : पैकेट पर दिखाना होगा चीनी, नमक और वसा का चेतावनी लेबल



एजेंसी,नयी दिल्ली। खाद्य पदार्थों में अधिक चीनी, नमक और वसा की मात्रा को लेकर बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं के बीच सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से खाद्य उत्पादों पर फ्रंट–ऑफ–पैकेज न्यूट्रिशन लेबलिंग (एफओपीएनएल) को प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाने को कहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य ऐसे खाद्य उत्पादों की पहचान आसान करना है, जिनमें चीनी, नमक या वसा की मात्रा अधिक होती है। इस पहल के लागू होने से उपभोक्ताओं को पैकेट के सामने ही उत्पाद की पोषण संबंधी जानकारी मिल सकेगी। इससे खरीदारी के दौरान उन्हें सामग्री की जानकारी के लिए पैकेट के पीछे लिखे छोटे अक्षरों को पढ़ने की जरूरत कम होगी। हालांकि, चेतावनी लेबल से जुड़े नियमों और उनके क्रियान्वयन की विस्तृत प्रक्रिया एफएसएसएआई के नियामकीय प्राधिकारों के तहत तय होगी। फ्रंट–ऑफ–पैकेज न्यूट्रिशन लेबलिंग यानी एफओपीएनएल ऐसी व्यवस्था है, जिसमें खाद्य उत्पाद के पैकेट के सामने ही उसकी पोषण संबंधी विशेषताएं स्पष्ट रूप से बताई जाती हैं। इसका मकसद उपभोक्ताओं को कम समय में यह समझने में मदद करना है कि किसी खाद्य पदार्थ में कितनी चीनी, नमक और वसा मौजूद है। । ऐसे में सामने दिखाई देने वाला लेबल लोगों को बेहतर और जागरूक विकल्प चुनने में मदद कर सकता है।

बंगाल में एक लाख करोड़ की सड़क परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

एजेंसी,कोलकाता। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पश्चिम बंगाल में संपर्क व्यवस्था में सुधार के लिए 35,000 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित परियोजनाओं के अतिरिक्त, एक लाख करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की ब्लूप्रिंट तैयार करने की घोषणा की। गडकरी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र राज्य में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने और पड़ोसी राज्यों के साथ संपर्क व्यवस्था मजबूत करने वाली परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। शुभेंदु ने इन घोषणाओं का स्वागत किया और कहा कि परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार भूमि की व्यवस्था करने और मंजूरियों में तेजी लाने सहित हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

पूर्व सांसद आनंद मोहन को सरेंडर करने का आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई से जुड़े बिहार सरकार के फैसले को पलटा



एजेंसी,नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को समय से पहले रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले को पलट दिया। साथ ही, आनंद मोहन को एक महीने में सरेंडर करने का आदेश दिया गया है। आनंद मोहन 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए थे। बिहार सरकार की ओर से जेल नियमों में किए गए संशोधन के चलते आनंद मोहन की रिहाई हुई थी। आनंद मोहन की रिहाई के बाद जिलाधिकारी जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी कृष्णैया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पूर्व सांसद को फिर से जेल भेजे जाने की मांग की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार के 2023 के संशोधन को भी असंवैधानिक घोषित किया। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, "10 अप्रैल 2023 की अधिसूचना को असंवैधानिक, अमान्य और निष्प्रभावी घोषित किया जाता है, और इसे रद्द किया जाता है। इस फैसले में दर्ज निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए प्रतिवादी को समय से पहले रिहा करने का 24 अप्रैल 2023 का आदेश रद्द किया जाता है। प्रतिवादी को आज से एक महीने के भीतर सक्षम जेल प्राधिकरण के समक्ष अनिवार्य रूप से आत्मसमर्पण करना होगा।

" अदालत ने स्पष्ट किया है कि समयपूर्व रिहाई पर विचार करते समय पीड़ित को सुनवाई से वंचित नहीं किया जा सकता है। सजा में छूट देने का अधिकार सरकार के पास हो सकता है, लेकिन उसका इस्तेमाल कानून, निष्पक्षता और पीड़ित के अधिकारों को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि न्याय के लिए कानून और नैतिकता के पक्ष में खड़ा होना जरूरी है।

अदालत केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकती है। रिट क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल करते हुए अदालत का दायित्व है कि वह सक्रिय रूप से न्याय सुनिश्चित करे।

महबूबा ने उमर अब्दुल्ला से शेषनाग झील के नुकसान का आकलन कराने की मांग की

एजेंसी,श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आग्रह किया कि वह नेताओं और पर्यावरणविदों की एक टीम गठित करें, जो अमरनाथ यात्रा मार्ग पर शेषनाग झील के पास निर्माण स्थल का दौरा कर वहां स्थिति का आकलन करे। महबूबा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा मार्ग और शेषनाग झील के आसपास के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की जानी चाहिए, ताकि पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाला बर्फ का शिवलिंग हर साल बनता रहे। महबूबा ने यहां पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री को तथ्यों का पता लगाने के लिए एक टीम गठित करनी चाहिए, जिसमें पर्यावरणविद और नेता शामिल हों। यह टीम शेषनाग में जमीनी स्थिति का आकलन करे। यह पूछे जाने पर कि यदि निर्माण कार्य नहीं रुकता है तो क्या वह कानूनी मंचों का रुख करेंगी, इस पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को पहले उन्हें स्थल का दौरा करने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा, पहले उन्हें मुझे वहां जाने की अनुमति देने दीजिए, मैं वहां जाऊंगी भी।

सियासी फायदे के लिए संस्थाओं को निशाना न बनाए सीजेआई सूर्यकांत की नसीहत



एजेंसी,नयी दिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट में आयोजित समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और न्यायपालिका की जिम्मेदारी को लेकर अहम संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी संस्था को केवल इसलिए निशाना बनाना उचित नहीं है, क्योंकि उसका कोई फैसला किसी व्यक्ति या समूह के पक्ष में नहीं आया। संस्थाओं पर राजनीतिक एजेंडे या निजी फायदे के लिए हमला नहीं किया जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि संविधान की वास्तविक सफलता केवल उसके प्रावधानों, शक्तियों के बंटवारे और संस्थागत ढांचे से तय नहीं होती, बल्कि इस बात से तय होती है कि आम नागरिकों के जीवन में उसका कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी संवैधानिक संस्थाओं से संयम, पारस्परिक सम्मान और नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देने की अपील की। संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान हर पीढ़ी को इसे समझने, इसकी रक्षा करने और इसके मूल्यों को व्यवहार में लागू करने की जिम्मेदारी देता है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था में हर संस्था को अपने अधिकारों के साथ–साथ अपनी सीमाओं और जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखना चाहिए। सीजेआई के मुताबिक, संस्थाओं को अपने दायित्वों का निर्वहन करते समय दूसरी संस्थाओं के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में हमेशा आम नागरिक होने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। अलग–अलग विचारों और सवालों के लिए जगह होना संवैधानिक लोकतंत्र की विशेषता है। उन्होंने वकील समुदाय यानी बार से भी सवाल पूछने, फैसलों को चुनौती देने और असहमति जताने की स्वतंत्रता बनाए रखने की बात कही।

माइनस में पहुंचा पारा श्रीनगर में टूटा ठंड का रिकॉर्ड



एजेंसी,श्रीनगर। कश्मीर में ठंड का प्रकोप जारी है। श्रीनगर में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बुधवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के बराबर है। इस सर्दी के मौसम में श्रीनगर में यह अब तक की सबसे ठंडी रात रही। पहलगाम घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। हालांकि, पिछली रात के शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान के मुकाबले इसमें मामूली सुधार हुआ। गुरुवार सुबह घाटी के कई इलाकों में कोहरा छाया रहा। दक्षिण कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं, उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि बारामूला जिले के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में यह एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने महीने के अंत तक घाटी में मुख्य रूप से शुष्क मौसम का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है : प्रियंका गांधी



एजेंसी,नयी दिल्ली। संविधान दिवस के मौके पर गुरुवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हमारा संविधान हर एक भारतवासी का सुरक्षा कवच है, जो हमें स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है और हर एक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। संविधान का निर्माण करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, क्रांतिकारियों और संविधान सभा के सम्मानित सदस्यों को नमन। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम अपने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। सभी देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद! जय संविधान। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारा संविधान हर भारतीय को स्वतंत्रता, समानता, न्याय और सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है। गरीबों, वंचितों, दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं और आदिवासियों समेत हर नागरिक के अधिकारों का यह सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। आइए, संकल्प लें कि हम अपने संविधान की रक्षा के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। समस्त प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पोस्ट करते हुए लिखा कि भारतीय संविधान दिवस की शुभकामनाएं।

आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा भारत, एकता और साहस हमारी ताकत : राष्ट्रपति

एजेंसी,नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान बहादुरी दिखाने वाले सुरक्षाकर्मियों और आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहने वाले सभी लोगों को नमन करते हुए कहा कि आतंकवाद लोगों की जिंदगी तबाह कर सकता है लेकिन साहस, करुणा और दृढ़ संकल्प से एकजुट राष्ट्र की भावना को कभी नहीं तोड़ सकता। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सुरक्षाकर्मियों का बलिदान और उनकी निस्वार्थ सेवा हमेशा देश की आत्मा में अंकित रहेगी। पाकिस्तान से लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकवादी 26 नवंबर, 2008 को समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंचे थे और उन्होंने मुंबई में 60 घंटे तक चले हमलों के दौरान 166 लोगों की हत्या कर दी थी। मृतकों में 18 सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। राष्ट्रपति ने कहा, 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की इस बरसी पर मैं मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और अपने बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों तथा आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहने वाले सभी लोगों के साहस को नमन करती हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद लोगों की जिंदगी तबाह कर सकता है, लेकिन साहस, करुणा और दृढ़ संकल्प से एकजुट राष्ट्र की भावना को कभी नहीं तोड़ सकता ।

शादी से पहले पार्टनर से एचआईवी–पॉजिटिव होने की बात छिपाने पर कोलकाता में युवक गिरफ्तार

एजेंसी,कोलकाता। कोलकाता के बांसद्रोणी इलाके में बुधवार को एक युवक को अपनी पार्टनर से शादी से पहले अपना एचआईवी–पॉजिटिव होने की बात छिपाकर कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, युवक एक निजी संस्थान में काम करता है। उसकी मुलाकात महिला से कुछ साल पहले सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। महिला एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती है। धीरे–धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों बाद में शारीरिक रूप से भी करीब आ गए। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पार्टनर ने अपनी बीमारी के बारे में जानते हुए भी पूरे रिश्ते के दौरान अपने एचआईवी–पॉजिटिव होने की बात छिपाए रखी। यह बात तब सामने आई जब उसने उससे शादी और



परिवार शुरू करने की बात शुरू की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला ने हाल ही में घर बसाने और परिवार शुरू करने की इच्छा जताई थी। हालांकि, युवक इस विषय को टालता रहा, जिससे उसका शक बढ़ गया। हालांकि वह अभी भी उससे शादी करने की इच्छुक थी, उसने शादी की तैयारियों के तहत कई मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। युवक ने शुरू में टेस्ट कराने से मना किया, लेकिन महिला के बार–बार कहने पर वह आखिरकार मान गया। मेडिकल जांच के दौरान वह एचआईवी –पॉजिटिव पाया गया, जिससे महिला को गहरा झटका लगा। इसके बाद महिला ने खुद भी एचआईवी टेस्ट कराया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पार्टनर को रिश्ते में आने से पहले ही अपने संक्रमण के बारे में पता था और उसने यह जानकारी उससे छिपाई थी।

सेंट ज्यूड्स कॉलेज ऑफ लॉ में 77वें संविधान दिवस स्टूडेंट्स को प्रस्तावना की शपथ दिलाएगा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। 77वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सेंट ज्यूड्स कॉलेज ऑफ लॉ, पीतांबर नगर, उन्नाव द्वारा महाविद्यालय परिसर में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के साथ क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन एवं शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संविधान में महिलाओं को प्रदान किए गए अधिकारों, समानता, स्वतंत्रता एवं उनके संवैधानिक संरक्षण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।



कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी श्रीमती प्रीति चंद्रा ने विद्यार्थियों को कैरियर चयन के संबंध में संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सही समय पर अपने कैरियर का चुनाव करना और उसे उचित दिशा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों की आर्थिक क्षमता एवं उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखते हुए अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप कैरियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि योग्यता, परिश्रम, लगन और सही दिशा में प्रयास करना अधिक आवश्यक है। प्रदेश में बेरोजगारी की चुनौती को देखते हुए युवाओं को समय रहते अपने कैरियर के प्रति जागरूक होकर कौशल एवं योग्यता विकसित करनी चाहिए, जिससे वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर उन्नाव बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री पंकज कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में मोबाइल फोन का उपयोग आवश्यकतानुसार एवं सीमित करना चाहिए। विद्यार्थियों को पुस्तकों के अध्ययन की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान का विस्तार होता है। विशेष रूप से विधि के विद्यार्थियों को संविधान, कानून एवं न्यायिक व्यवस्था का नियमित अध्ययन करना चाहिए, जिससे उन्हें संवैधानिक प्रावधानों एवं नागरिक अधिकारों की बेहतर समझ विकसित हो सके।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न समसामयिक एवं संवैधानिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के प्रमुख विषय निम्नवत रहे सामाजिक विषयरू समाज में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभावकृ वरदान या अभिशाप संवैधानिक विषयरू भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों का महत्व समसामयिक विषयरू क्या भारत में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए

इसके अतिरिक्त क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के संवैधानिक ज्ञान एवं सामान्य जागरूकता का मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा अपने विचारों और ज्ञान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में श्रीमती ऋचा शर्मा सिंह, निदेशक श्री सुल्तान अहमद, विधि विभाग के विभागाध्यक्ष श्री अनुपम सिंह, शिक्षक श्री शुभम सिंह, सुश्री अर्चिता शर्मा, श्री उत्कर्ष द्विवेदी, श्री योगेश यादव सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर नागरिक गोष्ठी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। पीपुल यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज पीयूसीएल द्वारा धवन रोड उन्नाव स्थित मौलाना हसरत मोहानी पुस्तकालय में संविधान दिवस



और नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अरविंद कुमार कमल के द्वारा की गई इसका विषय था, हमारा संविधान चुनाव और मतदाताओं की भूमिका।

इस नागरिक गोष्ठी को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि हमारा संविधान पहले से अधिक परिपक्व हो चुका है ,वही दिनेश प्रियमन ने एस आई आर के दौरान चुनाव आयोग द्वारा की गई खामियों का खासा जिक्र किया, दूसरी ओर अबरार हुसैन ,जो जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष भी हैं उनका मानना था कि देश की एकता अखंडता और प्रभु सत्ता को बरकरार रखने के लिए संविधान को और मजबूत करना होगा। डॉ रामनरेश ने संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी को वेद पुराण और उपनिषदों से जोड़ते हुए कहा कि वैचारिक स्वतंत्रता हमारे देश में पौराणिक काल से चली आ रही है। समाचार पत्र रणनाद के संपादक अरुण कुमार पांडे ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए उसके चौथे स्तंभ पत्रकारिता को और मजबूत करने पर बल दिया अंत में अरविंद कुमार कमल ने कहा कि विश्व में पहली बार महिलाओं को मत देने का अधिकार भारत के संविधान द्वारा दिया गया, जबकि अन्य देशों में महिलाओं को उस वक्त तक मत देने का अधिकार नहीं था। अंत में सुशील कुमार ,बच्चन लाल पांडे मोहम्मद जमाल आदि ने भी अपनी विचार गोष्ठी पटल पर रखे।

चीनी मिल से फैल रहे प्रदूषण पर पालिकाध्यक्ष सख्त, प्रबंधन को भेजा नोटिस

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ (लखीमपुर खीरी)। बजाज चीनी मिल से निकलने वाली काली राख, वायु प्रदूषण और तेज ध्वनि से आम जनजीवन प्रभावित होने के आरोप लगाते हुए नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला श्रेयकृष्ण ने मिल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। पालिकाध्यक्ष ने पत्र भेजकर मिल प्रशासन से इस समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की है।

पालिकाध्यक्ष ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि चीनी मिल का नया पेराई सत्र शुरू होते ही पूरे नगर में वायु और ध्वनि प्रदूषण तेजी से फैल गया है। घनी आबादी के समीप स्थित मिल की चिमनियों से उड़ने वाली काली राख और धूल घरों व दुकानों में घुस रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को सांस लेने में दिक्कत और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही मिल से आने वाले तेज शोर से भी लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिकाध्यक्ष ने इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी को भी भेजी है, ताकि प्रशासनिक स्तर पर इसकी निगरानी कर नगरवासियों को इस समस्या से जल्द निजात दिलाई जा सके।

बीडीए के गठन की कवायद तेज, दायरे में आएंगी 402 ग्राम पंचायतें और पांच निकाय

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी जनपद में अनियोजित शहरी विस्तार पर अंकुश लगाने और सुनियोजित विकास को गति देने के लिए श्वाराबंकी विकास प्राधिकरणश (बीडीए) के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद नगर नियोजन विभाग ने इस संबंध में विस्तृत मसौदा तैयार कर शासन को प्रस्तुत किया है। गठन के बाद यह उत्तर प्रदेश का 30वां विकास प्राधिकरण होगा।

प्रस्तावित मसौदे के अनुसार, बीडीए के दायरे में जिले की लगभग 13.68 लाख की आबादी (कुल आबादी का करीब एक–तिहाई हिस्सा) और एक–चौथाई क्षेत्रफल शामिल होगा। इसमें नगर पालिका परिषद नवाबगंज के साथ–साथ चार नगर पंचायतों कुर्बकी, देवा, सतरिख और जैदपुर को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा नवाबगंज तहसील की 371 और फतेहपुर तहसील की 31 ग्राम पंचायतों सहित कुल 402 ग्राम पंचायतें प्राधिकरण का हिस्सा बनेंगी। विशेष रूप से लखनऊ की सीमा से सटे तेजी से विकसित हो रहे ग्रामीण क्षेत्रों को इसमें प्राथमिकता दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, लखनऊ से नजदीकी के कारण बाराबंकी में बड़ी संख्या में अवैध प्लॉटिंग और अनियोजित कॉलोनियां बस रही थीं। बीडीए के अस्तित्व में आने के बाद न केवल अवैध निर्माण पर प्रभावी रोक लगेगी, बल्कि सड़कों के चौड़ीकरण, सीवरेज, पार्क और अन्य शहरी बुनियादी सुविधाओं का सुनियोजित मास्टर प्लान भी तैयार हो सकेगा। प्राधिकरण क्षेत्र में शामिल होने के बाद किसी भी आवासीय या व्यावसायिक निर्माण के लिए नक्शा पास कराना अनिवार्य होगा।

मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजे किसान और मजदूर, सौंपा ज्ञापन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के आह्वान पर गुरुवार को भारतीय किसान मजदूर यूनियन और श्रमिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी, संपूर्ण कर्ज माफी, स्मार्ट बिजली मीटर योजना पर रोक और मनरेगा व श्रम कानूनों में सुधार की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। इसके साथ ही मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों पर भी सवाल उठाए। प्रदर्शन के अंत में राष्ट्रपति व शासन को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया।

नहरों की सफाई नहीं होने से किसानों की बढ़ी चिंता

- रामकोट रजबहे से निकली रस्यौरा माइनर घास और झाड़ियों से पटी टेल तक पानी पहुंचने पर सवाल
- नवल किशोर मिश्रा ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को पत्र लिखकर सभी नहरों की तत्काल सिल्ट सफाई कराने की मांग की।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। जनपद में नहरों और माइनरों की समय से सिल्ट सफाई नहीं कराए जाने से किसानों की फसलों की सिंचाई को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं।

रामकोट रजबहे से निकली रस्यौरा माइनर की स्थिति बेहद खराब दिखाई दे रही है।



माइनर में जगह–जगह घास और झाड़ियां उग आई हैं। नहर का तल भी घास और वनस्पतियों से ढका नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर टेल तक पानी कैसे पहुंचेगा? नहरों की सफाई समय से नहीं होने के कारण किसानों को सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका सता रही है। विशेष रूप से माइनर के अंतिम छोर पर स्थित किसानों को पानी मिलने में परेशानी हो सकती है। किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग को समय रहते सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस समस्या को लेकर आजाद अधिकार सेना एवं 146–सीतापुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी नवल किशोर मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को पत्र लिखकर रामकोट रजबहे से निकली रस्यौरा माइनर सहित जनपद की सभी नहरों और माइनरों की सिल्ट सफाई तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराए जाने की मांग की है। उन्होंने विभाग के उच्च अभियंताओं से भी मांग की है कि नहरों में उगी घास और झाड़ियों की कटाई कराई जाए तथा जमा सिल्ट हटाकर पानी के निर्बाध प्रवाह की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नवल किशोर मिश्रा ने कहा कि किसानों की आजीविका खेती पर निर्भर है। यदि समय से सिंचाई के लिए पानी नहीं मिला तो फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए विभागीय अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहें बल्कि मौके पर निरीक्षण कर सफाई कार्य तत्काल पूरा कराएं।

उन्होंने मांग की है कि सभी नहरों की सफाई के साथ टेल तक पानी पहुंचने की व्यवस्था की निगरानी भी कराई जाए ताकि किसी भी किसान को सिंचाई के पानी से वंचित न रहना पड़े।

अजबापुर चीनी मिल ने किसानों के खाते में भेजे 25.38 करोड़ ,12,173 गन्ना किसानों को मिला लाभ

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी।

जनपद के गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर है। चपरतला स्थित डीसीएम श्रीराम लिमिटेड (शुगर एंड डिस्टलरी यूनिट) की अजबापुर चीनी मिल ने वर्तमान पेराई सत्र 2026–27 में 23 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का 25.38 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में भेज दिया है। इस भुगतान से क्षेत्र के 12,173 गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिला है।

मिल प्रबंधन के अनुसार, 19 से 23 नवंबर के बीच क्रय किए गए गन्ने का मूल्य किसानों के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान पेराई सत्र में अजबापुर चीनी मिल प्रदेश में सर्वाधिक गन्ना मूल्य भुगतान करने वाली मिलों में शीर्ष पर है और अब तक किसानों को कुल 82 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। समय पर भुगतान होने से किसानों को आगामी रबी फसलों की बुवाई, खाद–बीज और अन्य कृषि कार्यों में बड़ी आर्थिक मदद मिली है। मिल प्रशासन ने किसानों से पेराई कार्य सुचारु रखने के लिए साफ–सुथरा, जड़–पत्ती व अगोला रहित ताजा गन्ना आपूर्ति करने की अपील की है।

बकाया भुगतान पर प्रशासन सख्त, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

दूसरी ओर, गन्ना मूल्य भुगतान में देरी करने वाली मिलों के प्रति शासन–प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बकाया भुगतान न करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ रिकवरी और एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गोला स्थित बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल द्वारा भुगतान में देरी और पिछले सत्र का बकाया न मिलने से नाराज किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। गन्ना समिति फरधान के संचालक रानू त्रिवेदी की अध्यक्षता में किसानों ने सेमरी मोहदियापुर, नकहा पिपरी, मोहम्मदपुर और गुलरिया खुर्द क्रय केंद्रों को गोला मिल से हटाकर अवध शुगर मिल हरगांव से जोड़ने की मांग की है।

भाजपा जिला कार्यालय पर संविधान गौरव दिवस पर जिला संगोष्ठी आयोजित

उन्नाव। आज संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री एवं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। संविधान ने ही देश के हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र का हो, समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया है। यही संविधान



की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह सबको एक समान दृष्टि से देखता है। रजनी तिवारी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों ने वर्षों के चिंतन और मंथन के बाद देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने विविधता में एकता को और मजबूत किया। संविधान ने महिलाओं, गरीबों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी बराबरी का हक दिया।

उन्होंने कहा कि संविधान केवल अधिकारों की पुस्तक नहीं है, बल्कि यह हमें कर्तव्यों का भी बोध कराता है। हमें अपने अधिकारों के साथ–साथ अपने मौलिक कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है।

मुख्य अतिथि ने पार्टी पदाधिकारियों एवं युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान को पढ़ें, समझें और उसके मूल्यों को अपने जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि जब तक हम संविधान का सम्मान करेंगे, तब तक देश का लोकतंत्र और मजबूत होता रहेगा। उन्होंने कहा कि संविधान गौरव दिवस हमें यह संकल्प दिलाता है कि हम संविधान की गरिमा को बनाए रखेंगे और देश को एकता, अखंडता और विकास के मार्ग पर आगे ले जाएंगे। वहीं जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। संविधान ने हर वर्ग, हर जाति और हर धर्म के लोगों को एक समान अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि हमें संविधान की भावना को घर–घर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, सदर विधायक पंकज गुप्ता, पुरवा विधायक अनिल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा भगवती प्रसाद रावत, अवध क्षेत्र महामंत्री अवधेश कटियार, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी एवं राजकिशोर रावत, के.डी. त्रिवेदी, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा सहित समस्त जिला पदाधिकारीगण व मंडल अध्यक्षगण, पार्टी के नगर पंचायत अध्यक्षगण मौजूद रहे। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री जी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभान शंकर दीक्षित एवं आनंद अवस्थी के घर पहुंच कर चाय पी। चाय पर चर्चा के दौरान उन्होंने पार्टी का फीडबैक भी लिया।

किसानों ने मंडलायुक्त कार्यालय पर डाला डेरा

आगरा,संवाददाता। अपनी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में किसानों ने गुरुवार को फतेहाबाद रोड स्थित मंडलायुक्त कार्यालय पर डेरा डाल दिया। 6 साल से संघर्ष करने के बावजूद मांगें पूरी नहीं होने से नाराज किसानों ने कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। किसान कार्यालय का ताला खुलवाकर अंदर शांतिपूर्ण तरीके से धरना देने की मांग पर अड़े रहे। रात तक किसानों का प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने ऐलान किया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो पूरी रात सड़क पर बैठकर कीर्तन करेंगे। किसानों का कहना है कि लंबे समय से उनकी समस्याओं को लेकर अधिकारियों से गुहार लगाई जा रही है, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने आलू किसानों की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आलू की उचित कीमत नहीं मिलने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसानों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। किसानों ने गेहूं, सरसों समेत अन्य फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की मांग भी उठाई। इसके साथ ही बिजली से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराने की बात कही। वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर एसीपी ताज सुरक्षा समेत कई थानों का पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारी किसानों को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन किसान कार्यालय के अंदर धरना देने की मांग पर अड़े रहे।

जिला जेल में महिला बंदियों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया

आगरा,संवाददाता। आईएमए आगरा की महिला एवं बाल सशक्तिकरण समिति ने जिला जेल में महिला बंदियों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। इसमें करीब 100 महिला बंदियों, डिप्टी जेलर और सुरक्षा कर्मियों ने हिस्सा लिया। आईएमए आगरा के अध्यक्ष निर्वाचित डॉ. राजनीश मिश्रा ने सीपीआर की जरूरत और इसकी बुनियादी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हृदय गति रुकने जैसी आपात स्थिति में सीपीआर से जान बचाई जा सकती है। इसके बाद प्रतिभागियों को सीपीआर की अलग–अलग प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसका मकसद उन्हें आपात स्थिति में प्राथमिक मदद देने के लिए तैयार करना।

नगर–निगम टीम ने व्यापारियों पर किया लाठीचार्ज,व्यापारियों ने उठाई हक की आवाज

आगरा,संवाददाता। बीते बुधवार को राजा मंडी बाजार स्थित लाभ चंद मार्केट में नगर निगम टीम के साथ हुए विवाद में व्यापारियों पर लाठीचार्ज किए जाने और एक व्यापारी के पेट पर लात मारने का आरोप लगाया गया है। व्यापारियों का कहना है कि टीम ने आते ही लाइट बंद कर दी और आक्रामक रवैया अपना लिया। लाभ चंद मार्केट के अध्यक्ष अशोक जसवानी ने गुरुवार को कहा, वर्दी के जोश में अपना होश खो बैठे नगर निगम के कर्मचारी। जो लाठीचार्ज हुआ, वह निंदनीय है। कोई कार्रवाई से पहले नोटिस देते, कभी बैठ कर बातचीत होती तो समस्या जो नगर निगम को समझ आ रही थी, उसका निस्तारण किया जाता। व्यापारी कभी लड़ते नहीं हैं। पेट पर लात मारी गई तो अपनी आवाज उठाई थी। हम सभी ने ऐसा कभी नहीं सोचा था कि नगर निगम की ओर से इस तरह का रवैया अपनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि टीम के पहुंचते ही केवल लाभ चंद मार्केट की लाइट बंद कराई गई और कनैया बिल्डिंग की ओर लगने वाले बाजार से कभी किसी को कोई आपत्ति नहीं होती है। केवल लाभ चंद मार्केट पर लगने दुकानों को नगर निगम को अधिक समस्या होती है। कई दुकानदारों की लाइट तोड़ दी गई। व्यापारियों के मुताबिक, बाजार में ऐसा माहौल नहीं होता और बिना बातचीत के बल प्रयोग किया गया। व्यापारियों की ओर से महामंत्री नरेंद्र, अमित अग्रवाल और अजय बालचंदानी ने भी घटना की निंदा की। उनका कहना है कि नगर निगम टीम का व्यवहार उत्तेजक था और उन्होंने स्थिति को बढ़ा दिया। व्यापारियों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पति–पत्नी के झगड़े पहुंचा पड़ोसी, हाथापाई में पति की मौत

आगरा,संवाददाता। आगरा के जगदीशपुरा स्थित गढ़ी मदौरिया में पति–पत्नी के बीच हुए झगड़े के दौरान पड़ोसी के हस्तक्षेप से हाथापाई हुई। इस दौरान हरिओम 6 फीट ऊंचे घर से नीचे गिर गए। सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौत हो गई। परिवार हत्या का आरोप लगा रहा है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक के भाई राहुल के अनुसार, बुधवार सुबह करीब आठ बजे हरिओम और उनकी पत्नी किरन के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। दोनों किराए के मकान में रहते हैं। इसी दौरान बगल के घर में रहने वाले पड़ोसी रामवीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बीच–बचाव करने की कोशिश की तो हाथापाई हो गई। घर छह फीट की ऊंचाई पर बना है। हाथापाई के दौरान हरिओम वहां से नीचे गिर गए। सिर में गंभीर चोट आई। गिरने के बाद हरिओम करीब एक घंटे तक वहीं पड़े रहे। पत्नी किरन घर के अंदर चली गई और आरोपी रामवीर मौके से भाग गया। किसी ने तुरंत मदद नहीं की। बाद में परिवारवालों ने हरिओम को अस्पताल रेफर किया, जहां उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लोगों से पूछताछ की जा रही है।

भाजपा ने सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ मनाया संविधान गौरव दिवस

संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संवैधानिक मूल्यों के प्रति जताई प्रतिब(ता

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान गौरव दिवस के अवसर पर गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. रिपुसूदन सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, प्रदेश मंत्री अंकुर शर्मा ने संबोधित किया। प्रदेश मंत्री वसंत त्यागी ने संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि



अर्पित कर एवं संविधान को नमन करने के साथ हुआ। इसके बाद राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में भारतीय संविधान की ऐतिहासिक यात्रा, उसकी विशेषताओं और मूल भावना पर आधारित पीपीटी का प्रदर्शन किया गया। साथ ही संविधान के महत्व पर केंद्रित लघु फिल्म भी दिखाई गई। इसके माध्यम से संविधान निर्माण की प्रक्रिया, उसके मूल आदर्शों और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी भूमिका को रेखांकित किया गया। प्रदेश सरकार के मंत्री श्री असीम अरुण ने कहा कि संविधान के मूल आदर्शों और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करते हुए हमारा समाज सामाजिक न्याय के परिवर्तनकारी दौर में प्रवेश करेगा। संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री बैजनाथ रावत ने कहा कि संविधान गौरव दिवस बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी के विचारों और उनके कार्यो से प्रेरणा लेने का दिन है। प्रोफ़ेसर रिपुसूदन जी ने कहा कि संविधान गौरव दिवस पर बाबा साहेब द्वारा दिये गए पवित्र ग्रंथ को नमन करता हूं जिस संविधान पर पूरा देश टिका हुआ है।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के संवैधानिक आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, संविधान की प्रति और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की कांस्य प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ, सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। आयोजन का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महिला सशक्तिकरण पर आशियाना परिवार की पहल



संवाददाता

लखनऊ। आशियाना परिवार द्वारा यू पी प्रेस क्लब में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आशियाना की निवासी श्रीमती अपराजिता हांडा द्वारा हाल ही में, 16 नवंबर को पुणे में एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय प्रदर्शनी के आयोजन में, जिसका उद्देश्य भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को केक और कुकीज की कला के माध्यम से जीवंत करना था। इस बड़े मंच पर अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इस उत्कृष्ट सहभागिता के लिए अपराजिता हांडा को प्रतिष्ठित स्वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदनश्र की ओर से आधिकारिक सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

आशियाना परिवार के अध्यक्ष आर डी द्विवेदी द्वारा बताया गया कि यह हमारे लिए एक गौरव का क्षण है कि हमारे परिवार की महिला अपराजिता हांडा द्वारा हम लोगों का मान बढ़ाया गया है। उत्तर प्रदेश को दर्शाने की उन्हें जिम्मेदारी मिली, उनके द्वारा उत्तरप्रदेश की आत्मा नजर आए, इसलिए उनके द्वारा शाने अवध की केक और कुकीज पर बेहद बारीक कारीगरी के जरिए उत्तर प्रदेश के 10 अनमोल प्रतीकों को उकेरा गया।

वीवीआईपी आगमन पर कल बदली रहेगी काशी की यातायात व्यवस्था, 52 स्थानों पर डायवर्जन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। भारत के उपराष्ट्रपति और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के 28 नवंबर को प्रस्तावित काशी दौरे को देखते हुए कमिश्नरेट यातायात पुलिस ने विशेष रूट डायवर्जन जारी किया है। सुरक्षा के मद्देनजर शहर के 52 प्रमुख चौराहों व तिराहों पर यातायात प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जो शुक्रवार सुबह 9 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेंगे।

ओवरब्रिज व प्रमुख मार्गों पर रोकरू

वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान हरहुआ, तरना, कज्जाकपुरा और कैंट ओवरब्रिज पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। वहीं, गोदौलिया से मैदागिन के बीच सभी प्रकार के वाहनों पर रोक रहेगी। गिलट बाजार, भोजूबीर और पुलिस लाइन क्षेत्र में भी चार पहिया व मालवाहक वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से भेजा जाएगा। इसके अलावा सुबह 11 बजे से रामनगर (शास्त्री चौक) और भिखारीपुर से बीएचयू व सुंदरपुर जाने वाले वाहनों का मार्ग बदला रहेगा।

ऑटो–ई–रिक्शा और बाहरी बसों की व्यवस्थारू

पुलिस लाइनदृचौकाघाटदृतेलियाबाग, लहुराबीरदृमैदागिन और चौकाघाटदृपड़ाव मार्ग पर ऑटो व ई–रिक्शा का संचालन बंद रहेगा। कैंट से बीएचयू (लहरतारा मार्ग) पर सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक और रामनगरदृबीएचयू व मंडुवाडीह मार्ग पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक इनकी आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। दूसरी ओर, चंदौली, प्रयागराज, मिर्जापुर व सोनभद्र से आने वाली बसें मोहनसराय से वापस होंगी, जबकि जौनपुर, गाजीपुर व आजमगढ़ की बसें हरहुआ रिंग रोड अंडरपास से परमपुर की ओर डायवर्ट की जाएंगी।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने और अतिरिक्त समय लेकर निकलने की अपील की है। किसी भी असुविधा या जानकारी के लिए ट्रैफिक हेल्पलाइन (7317202020) और कंट्रोल रूम (7839856994) पर संपर्क किया जा सकता है।

तकनीकी हमारे लिए, हम तकनीकी के लिए नहीं : न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला

संविधान दिवस पर साइबर जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक "देखोगे तो दिखेगा" का मंचन

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आज संविधान दिवस के अवसर पर वाद प्रतियोगिता समूह परिचर्चा एवं साइबर अपराध से संबंधित नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला संस्थान के मुख्य अतिथि थे जिन्हें संस्थापक निदेशक डॉ जी.के. गोस्वामी एवं अपर निदेशक संजीव सुमन ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने संस्थान में स्थापित डीएनए लैब तथा ड्रोन लैब को भी देखा तथा उसके बारीकियों को समझा। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला ने कहा कि आज तकनीकी का युग है हर कार्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से हो रहा है लेकिन इसमें ध्यान यह अवश्य रहना चाहिए कि तकनीकी हमारे लिए है हम तकनीकी के लिए नहीं है उन्होंने निजता के अधिकार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिना अनुमति के आप किसी का डेटा उपयोग नहीं कर सकते यदि उत्तर का प्रयोग बिना अनुमति के किया किया गया है तो वह अपराध है।

इस अवसर पर संस्थापक निदेशक डॉ जी.के. गोस्वामी ने संबोधित करते हुए कहा संस्थान के विगत वर्षों के विकास एवं संस्थान में चल रहे विभिन्न शैक्षणिक विषयों के पर प्रकाश डाला द्यउन्होंने कहां की माननीय न्यायमूर्ति का आगमन हम सभी के लिए सुखद विषय है यह संस्थान सभी के सहयोग से आगे बढ़ सका है द्यडॉ गोस्वामी ने कहा कि आज संस्थान ने देश के महत्वपूर्ण एवं प्रमुख 30 से अधिक संस्थानों से एमओयू हस्ताक्षरित किया है जिसका लाभ हमारे छात्र–छात्राओं को मिल रहा हैद्य उन्होंने कहा कि फारेंसिक साइंस के माध्यम से सच्चाई को वैज्ञानिक रूप से कानून के समक्ष ला कर न्याय दिलाने में सहयोग करना ही हमारा मूल कार्य है।

इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी संतोष कुमार तिवारी एवं डॉ सपना शर्मा द्वारा साइबर अपराध पर जागरूकता को लेकर तैयार कराये गए नुक्कड़ नाटक "देखोगे तो दिखेगा" का मंचन किया जिसकी सभी के द्वारा सराहना कि गयी।

संस्थान के अपर निदेशक श्री संजीव सुमन ने समागार मे बैठे समस्त अधिकारियों धन्यवाद ज्ञापित किया द्य इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजिब मुखर्जी ,अतुल यादव, डॉ सपना शर्मा, डॉ शाश्या मिश्र, सेंथिल शिव सुब्रमण्यम, जनसंपर्क अधिकारी श्री संतोष कुमार तिवारी सहित संस्थान के लोग उपस्थित थे।

सांसद ने संत समागम की तैयारियों की समीक्षा

आगरा,संवाददाता। झमसाबाद क्षेत्र के जरौली टीला स्थित राजराजेश्वरी केला देवी गुफा धाम आश्रम में 5 दिसंबर 2026 से सहस्त्र चंडी महायज्ञ और संत समागम होगा। तैयारियों को लेकर गुरुवार को फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने आश्रम में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सांसद ने थाना प्रभारी, सीएचसी अध्यक्ष, विकासखंड अधिकारी, झमसाबाद नगर पालिका, बिजली विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को सुरक्षा, सफाई, बिजली, पेयजल और दूसरी जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देशभर से आने वाले संतों और श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी तालमेल से काम करें। आयोजन गुरुदेव स्वामी बाबा कल्याण दास महाराज के आशीर्वाद और उनके शिष्य संत लोकेशानन्द महाराज (अवधूत) के संकल्प से किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच वाराणसी कमिश्नरेट के 23 इंस्पेक्टरों का तबादला

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव–2027 के मद्देनजर पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर फेरबदल शुरू हो गया है। पुलिस महानिदेशक (DGP) मुख्यालय ने पुलिस स्थापना बोर्ड की मंजूरी के बाद वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात 23 निरीक्षकों (इंस्पेक्टरों) का तबादला कर दिया है। 25 नवंबर की देर शाम जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है, जिसके बाद संबंधित निरीक्षकों को रिलीव करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

तीन साल की सेवा पूरी करने वालों पर लागू हुआ नियम

आदेश के मुताबिक, निर्वाचन आयोग के मानकों के तहत उन निरीक्षकों को स्थानांतरित किया गया है, जो एक ही जनपद या कमिश्नरेट में अपनी तीन साल की सेवा पूरी कर चुके हैं, या 31 मई 2027 तक पिछले चार वर्षों में तीन साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। कमिश्नरेट स्तर पर समायोजन न हो पाने के कारण पुलिस आयुक्त के अनुरोध पर इन्हें प्रदेश के पांच अलग–अलग जोन और कमिश्नरेट में नई तैनाती दी गई है।

प्रयागराज व लखनऊ भेजे गए सर्वाधिक निरीक्षक

जारी सूची के अनुसार, सर्वाधिक 10 निरीक्षकों को प्रयागराज कमिश्नरेट भेजा गया है, जिनमें मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, अरुण कुमार तिवारी, विजय कुमार शुक्ला, दिनेश कुमार यादव, कृष्ण प्रताप यादव, सुनील कुमार सिन्हाल, साधुवन राम, अजीत कुमार वर्मा, अरविंद कुमार सरोज और शिवधारी शामिल हैं। लखनऊ कमिश्नरेट में 7 निरीक्षक कृशिवाकांत मिश्र, प्रमोद कुमार पाण्डेय, उदयवीर सिंह, अजय राज वर्मा, राकेश पाल, राजकुमार और गोपाल कन्हैया को भेजा गया है।

इसके अलावा गोरखपुर जोन में 4 निरीक्षक (विमल कुमार मिश्र, राजू सिंह, विवेक कुमार और कृष्ण चंद्र मिश्र) स्थानांतरित किए गए हैं। वहीं, आगरा कमिश्नरेट में मो. आसिफ सिद्दीकी और गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में दयाशंकर सिंह को नई तैनाती मिली है। इस बड़े फेरबदल के बाद वाराणसी के कई थानों में जल्द ही नए प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वाराणसी में 221 जोड़ों ने थामा एक–दूजे का हाथ

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत गुरुवार को जनपद के तीन विकासखंडोंरू आराजी लाइन, पिंडरा और बड़गांवकृमें भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 221 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जिनमें हिंदू रीति–रिवाज से सात फेरे लेने वाले जोड़ों के साथ मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी संपन्न कराया गया।

आराजी लाइन में 95 जोड़ों का विवाह

राजातालाब स्थित आराजी लाइन ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित समारोह में 95 जोड़ों ने विवाह रचाया, जिसमें 94 हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लिए और 1 मुस्लिम जोड़े का निकाह कराया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य और विधायक सुनील पटेल ने नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया।

पिंडरा और बड़ागांव में 126 जोड़े बंधे परिणय सूत्र मेंरू

दूसरी ओर, पिंडरा और बड़गांव विकासखंड परिसरों में आयोजित समारोहों में कुल 126 जोड़ों की शादी संपन्न हुई। इसमें पिंडरा ब्लॉक के 56 और बड़गांव ब्लॉक के 70 जोड़े शामिल रहे, जिनमें 3 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी कराया गया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण–पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

शासन की ओर से सभी नवदंपतियों को नए जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक गृहस्थी का सामान और उपहार भेंट किए गए। समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्रता सूची के आधार पर जिन नवदंपतियों के पास आवास और गैस कनेक्शन नहीं है उन्हें तत्काल योजना का लाभ दिलाया जाए।

संविधान दिवस पर एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनी

वाराणसी,संवाददाता।संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को आशा ट्रस्ट की ओर से सेवापुरी क्षेत्र के करचना गांव में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों ने करचना बाजार में करीब एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को भारतीय संविधान के महत्व, अधिकारों और मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने गांव के अंबेडकर पार्क में स्थापित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही संविधान के मूल्यों की रक्षा करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर लोक समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। यह दिन हम सभी भारतीयों के लिए गर्व और गौरव का अवसर है। हमारा संविधान देश की एकता, अखंडता, समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का आधार है।

संविधान में निहित लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों की रक्षा करना हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान, अधिकार और समान अवसरों की गारंटी है। हमें संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नन्दलाल मास्टर, आशा, मनीषा, सोनी,धनेसरा देवी बालिका इण्टर कालेज से प्रधानाचार्य निशा देवी, संजय पटेल, रविन्द्र, कहकसा बानो, लीलावती, डिस्करवरी पब्लिक स्कूल से प्रधानाचार्य अवधेश पटेल, रामरती, मालती, मीना अनीता,ब्लॉस्म पब्लिक स्कूल करचना, सीमा, संतोष कुमार प्रधानाचार्य, मधुबाला, सर्वेश कुमार, सीमा देवी,, सुनीता सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिहाड़ी मजदूर यूनियन के संयोजक रामबचन राय, अध्यक्षता अनीता पटेल धन्यवाद मनीषा ने किया।

संविधान दिवस की 77वीं वर्षगांठ के मौके पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। आज संविधान दिवस की 77वीं वर्षगांठ के मौके पर दो दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत शिया महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता अभियान के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना व संक्षिप्त संविधान का वितरण डॉ0 रॉबिन वर्मा द्वारा किया गया। पहले दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संविधान से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये। दूसरे दिन वाद–विवाद प्रतियोगिता, प्रस्तावना पाठ एवं संविधान की संक्षिप्त प्रति वितरित की गई।

समाजवादी पार्टी ने मनाया संविधान दिवस संविधान की रक्षा का लिया संकल्प

वाराणसी,संवाददाता। जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय अर्दली बाजार वाराणसी में गुरुवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर भारतीय संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा करने तथा उसमें निहित मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा कि भारतीय संविधान महज एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, लोकतांत्रिक मूल्यों और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है। संविधान देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए आशा और विश्वास का आधार है। यह न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता एवं समावेशिता के आदर्शों को मजबूत करते हुए देश के लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं लोकतांत्रिक दायित्व है। गोष्ठी का संचालन करते हुए जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है। इसकी विशेषता भारत की विविधता, सामाजिक संरचना और लोकतांत्रिक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोना है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जबकि 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इसी ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं संचालन जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. उमाशंकर सिंह यादव, डॉ. रामबालक पटेल, प्रदीप कुमार मौर्य, गोपाल पाण्डेय, हीरू यादव, नंदलाल कन्नौजिया, जितेंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव, डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी, सदानंद कन्नौजिया, रामकुमार यादव, धर्मवीर पटेल, सचिन प्रजापति, सुनीता यादव, राजेंद्र प्रसाद, सुमित मौर्य, राजू यादव, मनोज यादव, बंसल सेठ, मन्नू अंसारी, अयाज खान एवं विनोद शुक्ला ने विचार व्यक्त किए।

जनसत्ता दल ने जारी की पहली उम्मीदवार सूची

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने प्रतापगढ़ जिले की तीन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा से विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया का नाम भी शामिल है। पार्टी ने उन्हें एक बार फिर कुंडा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। पार्टी मुख्यालय लखनऊ से जारी सूची के मुताबिक, कुंडा विधानसभा सीट से राजा भइया को उम्मीदवार बनाया गया है।

संविधान दिवस पर शहरभर में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

आगरा,संवाददाता। संविधान दिवस पर आगरा नगर निगम ने गुरुवार को शहरभर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इसके तहत अंबेडकर पार्कों, महापुरुषों की प्रतिमाओं और स्मारक स्थलों की सफाई कराई गई। सफाई टीमों ने प्रतिमाओं की धुलाई की और परिसरों को साफ–सुथरा बनाने के बाद चूने का छिड़काव कराया। कई स्थानों पर रंगोली सजाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित अंबेडकर पार्कोंऔर महापुरुषों के स्मारकों को विशेष रूप से संवारा गया। प्रतिमा स्थलों के आसपास जमा कचरा हटाया गया। पार्कों और परिसरों की सफाई के साथ रंगोलियां बनाकर उन्हें आकर्षक रूप दिया गया। नगर निगम का जोर संविधान दिवस के अवसर पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित देश के महापुरुषों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने पर रहा। सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम ने बताया, राष्ट्रीय पर्वों और महत्वपूर्ण दिवसों पर शहर के सार्वजनिक स्थलों, महापुरुषों की प्रतिमाओं और स्मारकों की विशेष सफाई कराई जाती है। इसका उद्देश्य इन स्थलों की गरिमा और सुंदरता बनाए रखने के साथ नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी है। वहीं, संविधान दिवस के अवसर पर नगर निगम सदन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना एवं उसके मूल आदर्शों के प्रति निष्ठा रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के साथ ही संविधान में निहित आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया।

काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर गूंजा `हमारा संविधान–हमारा स्वाभिमान

वाराणसी,संवाददाता। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर नमामि गंगे की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने भारतीय संविधान की तस्वीर और राष्ट्रध्वज तिरंगा हाथ में लेकर उद्घोष किया कि हमारा संविधान–हमारा स्वाभिमान' है और हम भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेंगे। कार्यक्रम में नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डब्लूटी है कि वह जंगल, झील, नदी और जंगली जानवरों समेत प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे, उसे बेहतर बनाए और जीवों के प्रति दया रखे। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित पर्यावरण संरक्षण के प्रावधान और आधुनिक सरकारी व सामुदायिक प्रयासों का संगम ही गंगा नदी के कायाकल्प, अविरल और निर्मल धारा की नींव है। आयोजन में रविंद्र पाण्डेय, साकेत, रोहित मिश्रा, रिया, आरती, जय शाहा, रमन नायडू सहित सैकड़ों श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल रहे।

संपादकीय...

संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने का संकल्प

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड है। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहरा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल–वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी–20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी–20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें। उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा।

हमारी सोच में 'राष्ट्र प्रथम' और हमारे हर कार्य में 'कर्तव्य भाव' निहित हो। इन दो शक्तिशाली मंत्रों को अपना मार्गदर्शक बनाकर तथा संविधान से शक्ति प्राप्त कर हम भावी पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल कर सकते हैं।

छब्बीस नवंबर, 1949 को आज ही के दिन संविधान सभा ने हमारे संविधान को अंगीकार किया था। हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों का स्मरण करते हैं। उनकी महानता थी कि उन्होंने आधुनिक संविधान निर्माण में भारत की समृद्ध परंपराओं और सभ्यता के अनुभव को भरपूर स्थान दिया।

भारत जैसे विविधताओं के देश में, जहां अनेक पंथ, भाषाएं, रीति–रिवाज और विचार परंपराएं हैं वहां बहुत जरूरी है कि संविधान की गूंज संसद व अदालतों की चारदीवारी से कहीं आगे पहुंचे। हमारा प्रयास रहा है कि जन–जन की चेतना से, विशेषकर युवाओं से, संविधान का जुड़ाव और गहरा हो। इससे राष्ट्रीय एकता की वह भावना मजबूत होगी, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। इसी सोच के साथ एक दशक पहले हमारी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया।

हमारा संविधान मेरे लाख करोड़ों भारतीयों की जीवन–यात्रा का अभिन्न हिस्सा है। बचपन के वे हालात, जीवन के वे संघर्ष, जिन्हें मैं भी उस दौर को याद करता हूं, संविधान के प्रति मेरा हृदय कृतज्ञता से भर जाता है। एक साधारण परिवार में जन्मा बालक, जिसे विरासत में विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, यह संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है। यह संविधान की ही देन है कि किसी व्यक्ति की जन्म परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करतीं। हमने विनम्र प्रयासों से संविधान को और सशक्त बनाकर कृतज्ञता के ऋण को चुकाने की कोशिश की है।

प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को 'सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण एक सामाजिक दस्तावेज' बताया था। सामाजिक–आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है?

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्त होकर आज करोड़ों माता–पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह–प्रवेश मिलता है, तब गर्वमिश्रित जीवन का संवैधानिक संकल्प साकार होता है। जब 'उज्ज्वला योजना' किसी मां को धुएं वाली रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। जब 'आयुष्मान भारत' से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता के बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है। जब मुद्रा योजना व पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों व रेहड़ी–पटरी वालों को बिना गारंटी ऋण मिलता है, तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना हकीकत बनती है। जब डिजिटल टेक्नोलॉजी, रुपे कार्ड व यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म तक हर नागरिक की पहुंच होती है, तब समावेशिता का संवैधानिक आदर्श साकार होता है।

हमारी सरकार के संविधान संशोधनों को भी इसी दृष्टिकोण से



देखा जा सकता है। 101वें संविधान संशोधन से बहुप्रतीक्षित जीएसटी जैसे बड़े सुधार का रास्ता खुला। 102वें संशोधन से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। इससे वंचित वर्गों का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। सरकार के 103वें संविधान संशोधन से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। लंबे समय तक आरक्षण से बाहर रहे समुदायों को लाभ हुआ। आर्थिक रूप से वंचित परिवारों की आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु यह महत्वपूर्ण कदम था। 1950 के बाद पहली बार जोर नागरिक–आधारित व्यवस्था और न्याय पर है। बीते दशक में हमने नागरिकों के कर्तव्यों पर विशेष बल दिया। भारत में हर व्यक्ति से जुड़े कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने की परंपरा रही है। स्वच्छ भारत, जल और पर्यावरण संरक्षण तक, कई आंदोलनों में हमें कर्तव्य की इसी भावना के दर्शन हुए हैं। यहां मैं एक सच्चाई देशवासियों के साथ साझा कर रहा हूं। इतिहास में ऐसे अवसर भी आए, जब उन्हीं लोगों ने संविधान को कमजोर किया, जिन पर इसकी रक्षा का दायित्व था। ये वही लोग आज संविधान का अपडेटेड वर्जन आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। हमारा संविधान जनसामान्य के और करीब आया है। 1950 में संविधान लागू होने के बाद भी हमारे देश में गुलामी के दौर में बनी दंड संहिता ही लागू रही। भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से हमने अपने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में मौलिक बदलाव किए। गुलामी के दौर में दंड पर जोर था। भारतीय न्याय संहिता का

जोर नागरिक–आधारित व्यवस्था और न्याय पर है। बीते दशक में हमने नागरिकों के कर्तव्यों पर विशेष बल दिया। भारत में हर व्यक्ति से जुड़े कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने की परंपरा रही है। स्वच्छ भारत, जल और पर्यावरण संरक्षण तक, कई आंदोलनों में हमें कर्तव्य की इसी भावना के दर्शन हुए हैं। यहां मैं एक सच्चाई देशवासियों के साथ साझा कर रहा हूं। इतिहास में ऐसे अवसर भी आए, जब उन्हीं लोगों ने संविधान को कमजोर किया, जिन पर इसकी रक्षा का दायित्व था। ये वही लोग हैं, जिन्हें पांच दशकों तक देश की बागडोर संभालने का अवसर मिला। इस वर्ष, 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के 75 साल पूरे हो चुके हैं। तब देश में एक ऐसी सरकार थी, जिसे जनता ने नहीं चुना था। उस सरकार ने अंतरिम संसद में बहुमत का इस्तेमाल करके नागरिकों की मौलिक आजादी छीन ली। संशोधन देश के पहले आम चुनाव से कुछ माह पहले किया गया। साफ है कि इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना व लोगों के विरोध की आवाज को दबाना था।

इसी प्रकार, आपातकाल के दौरान हुए 42वें संविधान संशोधन के भी 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस संशोधन ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सीमित किया। देश की संस्थाओं के बीच शक्तियों के संतुलन को बुनियादी रूप से बदला। युवाओं से आग्रह है कि वे 38वें व 39वें संविधान संशोधनों का भी अध्ययन करें। इससे वे समझेंगे कि सत्ता की लालची व संविधान–विरोधी सोच वाली सरकार कहां तक जा सकती है।

चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करने हेतु बार–बार अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग भी इतिहास का एक चिंताजनक अध्याय है। एक राजनीतिक दल के नाम करीब सौ बार अनुच्छेद 356 थोपने का रिकॉर्ड दर्ज है। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्धशतक भी लगाया है। संविधान निर्माताओं ने चाहा कि पूरे भारत में संविधान अपने मूल स्वरूप व मूल भावना के साथ लागू हो। लेकिन 70 साल से भी अधिक समय तक अनुच्छेद 370 और 35–ए के कारण जम्मू–कश्मीर में पूरा संविधान लागू नहीं हो पाया। वहां एससी, एसटी, ओबीसी समाज व महिलाओं के अधिकारों का हनन होता रहा। 2019 में इस ऐतिहासिक अन्याय का अंत हुआ।

दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा, जो संविधान ने उसे दिए हैं। इस वर्ष नक्सलवाद के खात्मे से मुझे विशेष संतोष मिला है। अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी भयमुक्त होकर संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। अब केवल दिमागी नक्सली बचे हैं। वे आज की वास्तविकताओं से कोसों दूर हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। संविधान निर्माता, विशेषकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, इसके खिलाफ थे।

संविधान की यात्रा में असाधारण महिलाओं ने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन विडंबना है कि नारीशक्ति को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए लाए गए विधेयक को विपक्ष के एक प्रमुख दल ने पारित नहीं होने दिया। मैं नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के संकल्प को कोई ताकत रोक नहीं सकती।

संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्य है। दुर्भाग्य से विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी आज अवरोध पक्ष बनती जा रही है। उसे समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालना, संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने का विकल्प कभी नहीं हो सकता।

कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद बाकी सवाल

साल 2020 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शुरू हुआ किसान आंदोलन आखिर उन्हें वापस कराने में सफल रहा। उस जीत को 26 नवंबर को वर्षगांठ के तौर पर याद किया जाता है। हालांकि आज छह साल बाद भी एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मामले अनसुलझे हैं। छब्बीस नवंबर को किसान आंदोलन की छठी वर्षगांठ है। यह वही आंदोलन था, जो केंद्र सरकार द्वारा 5 जून, 2020 को जारी किए गए तीन कृषि अध्यादेशों के खिलाफ लगभग 13 महीने तक चला। इन अध्यादेशों को संसद में आनन–फानन में पारित करवाकर तथा राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त कर 27 सितंबर, 2020 को कानून का रूप दे दिया गया था।

वहीं, 26 नवंबर को देश में संविधान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकार किया था। उल्लेखनीय है, इसी समय संसद ने चार श्रम संहिताएं (लेबर कोड) भी पारित की थीं, जिनके जरिये दशकों से प्रचलित समूचे श्रम कानूनों को बदल दिया गया।

तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को किसान विरोधी, कॉर्पोरेट हितैषी तथा समूची कृषि व्यवस्था के लिए विनाशकारी माना गया। इन कानूनों का उद्देश्य कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग को बढ़ावा देकर निजी कंपनियों के निर्बाध प्रवेश की राह खोलना तथा खाद्यान्न व्यापार में एकाधिकार को प्रोत्साहित करना था। इनके दूरगामी परिणाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था और सार्वजनिक वितरण प्रणाली, दोनों पर पड़ने निश्चित थे। किसान पहले ही कृषि लागत में लगातार वृद्धि व आय में ठहराव के कारण प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों का सामना कर रहे थे। 25 नवंबर को पंजाब–हरियाणा के लाखों किसानों ने कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली कूच शुरू किया। उन्होंने हरियाणा की तत्कालीन गठबंधन सरकार द्वारा किए गए पुलिस दमन का मुकाबला किया। दिल्ली के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर 26 नवंबर को मोर्चे लगने से राष्ट्रीय राजधानी की घेराबंदी जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। इसी दिन चार श्रम संहिताओं के खिलाफ औद्योगिक और ट्रेड यूनियन मजदूरों ने भी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किए। कई किसान संगठनों को एक साझा मंच पर लाकर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का गठन



किया गया। आंदोलन की पहली प्रमुख विशेषता मुद्दों पर आधारित एकता थी। तीनों कृषि कानून ऐसे थे, जो किसान समुदाय के सभी वर्गों को प्रभावित कर रहे थे। दूसरी विशेषता थी कि कोविड महामारी सहित मौसम की प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए किसानों ने सीमाओं पर डेरे डाले रखे। तीसरी विशेषता थी महिलाओं की विशाल भागीदारी। चौथी विशेषता थी आंदोलन को मिला व्यापक जनसमर्थन, विशेषकर हरियाणा से, जिसकी भौगोलिक स्थिति तीन ओर से राष्ट्रीय राजधानी को छूती है। इनके अलावा, हरियाणा व पंजाब के अनेक टोल प्लाजा पर भी समर्थन में धरना स्थल बने रहे और टोल टैक्स बंद रहे। किसान आंदोलन की खास बात थी कि धरना स्थलों पर राष्ट्रीय दिवसों और त्योहारों को गरिमा के साथ मनाया जाता था। शासन द्वारा आंदोलन को राष्ट्रविरोधी करार देने के प्रयास किए गए। पंजाब और हरियाणा के किसानों के बीच क्षेत्रीय भावनाएं भड़काने के लिए एसवाईएल का मुद्दा भी उछाला गया। लेकिन हथकंडे बेअसर रहे। आम लोगों, विशेषकर बेरोजगारी से जूझ रहे ग्रामीणों के बीच शासन की छवि 'अहंकारी' बन रही थी। ऐसी स्थितियों में केंद्र को 19 नवंबर को तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी। संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन वापस लेने को तीनों कृषि कानूनों की वापसी के अलावा अन्य प्रमुख मांगों पर भी लिखित आश्वासन की शर्त रखी।

अंततः 9 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने लिखित रूप में पत्र जारी किया। साथ ही अन्य अधिकांश मांगों पर भी सकारात्मक रुख दिखाया, जिनमें सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी की मांग भी शामिल थी।

हालांकि, विभिन्न सरकारों ने किसान आंदोलन से शायद ही कोई सबक सीखा। वे उन्हीं जनविरोधी नीतियों को आगे बढ़ाते रहे। मसलन, बीज संशोधन विधेयक, बिजली संशोधन विधेयक, सहकारी कानून में प्रतिगामी संशोधन। वहीं स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुरूप सी–2 50 प्रतिशत के फार्मूले पर एमएसपी तय करने की मांग की अनदेखी की। हालांकि इसका राजनीतिक परिणाम भी सामने आया मसलन, भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त करने में विफल रही! वर्ष 2022 से संयुक्त किसान मोर्चा 26 नवंबर को देशभर में विभिन्न रूपों में एक विशेष दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। इस बार भी देशभर में किसान लामबंदी की जा रही है। इसके पीछे दो अतिरिक्त अहम कारक जुड़े हैं। पहला, देश में जारी एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग के भीतर से ही इस प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए गए।

पुतिन की बढ़ती अहमियत की क्या है वजह

सफलता के तौर पर देखा जाना स्वाभाविक है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के कुछ महीने पहले तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रूसी कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत और चीन को धमकाते रहे। उन्होंने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध भी छेड़ दिया। इससे चीन का अमेरिकी निर्यात घटा। चीन भले ही खुलकर स्वीकार न कर रहा हो, लेकिन अमेरिकी टैरिफ हमले के बाद चीन की फैक्टरियों के माल की मांग घट गई है। इसकी वजह से उन्हें अपना उत्पादन घटाना पड़ा। जिसके चलते चीन में बेरोजगारी भी बढ़ी है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर वैश्विक दबाव बनाने की कोशिश जारी रखी। इसके बावजूद चीन ने रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। चीन अपने कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का करीब 21.5 प्रतिशत हिस्सा रूस से ही मंगाता है। परिमाण के हिसाब से देखें तो यह आयात करीब 16 लाख से 24 लाख बैरल तक रोजाना रहा है। चूंकि वैश्विक तेल बाजार के लिहाज से रूसी कच्चा तेल सस्ता है, लिहाजा सिर्फ चीन ही नहीं, भारत ने भी वहां से का आयात जारी रखा। तेल की कीमतों पर ओपेक देश नियंत्रण रखते हैं। लेकिन रूस इस नियंत्रण से खुद को बाहर रख हुए है। चूंकि यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस पर आर्थिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में रूस को आर्थिक जरूरतों के लिए अपने तेल को वैश्विक बाजार की तुलना में सस्ती दरों पर आपूर्ति करना ही था। रूस के मुकाबले में

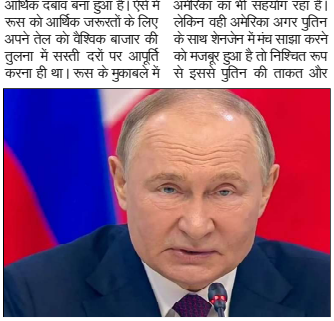

खड़े यूक्रेन को जहां ब्रिटेन, फ्रांस और नीदरलैंड्स खुलकर हथियार और आर्थिक सहयोग दे रहे हैं, वहीं जर्मनी आर्थिक सहयोग जारी रखे हुए है। दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और हथियार निर्यातकों से मिल रहे सहयोग की बदौलत ही यूक्रेन की सेनाएं दुनिया के दूसरे नंबर की सैनिक ताकत रूस का मुकाबला कर पा रहा है। इस लिहाज से देखें तो पुतिन परोक्ष रूप से पूरे यूरोप का मुकाबला कर रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका का भी सहयोग रहा है। लेकिन वही अमेरिका अगर पुतिन के साथ शेनजेन में मंच साझा करने को मजबूर हुआ है तो निश्चित रूप से इससे पुतिन की ताकत और अहमियत का संकेत मिलता है।

नवंबर के पहले हफ्ते में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुर बदला नजर आ रहा है। जिस रूसी राष्ट्रपति को कमी वे झुकाने की कोशिश करते थे, जिस रूस से तेल आयात करने वाले देशों के ट्रंप धमकाते रहते थे, उसी रूस के राष्ट्रपति के साथ वे गलबहियां करते दिख रहे हैं। वैश्विक कूटनीति के जानकार भी मान रहे हैं कि चीन और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व के साथ पुतिन की सीधी बातचीत और एशियाई बाजारों में रूस के बढ़ता व्यापार पुतिन के कूटनीतिक प्रभाव का विस्तार है। इसका यह मतलब नहीं है कि यूक्रेन संकट और वैश्विक शक्ति संतुलन की चुनौतियां खत्म हो गई हैं। चीन के शेनजेन में आयोजित अपेक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सक्रियता और वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बैठकों को लेकर वैश्विक मंच पर उनकी भूमिका को लेकर नई चर्चाएं भी उनकी अहमियत को ही दर्शाती हैं। बीबीसी और न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टों के मुताबिक, शेनजेन मेंचीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक बड़ी कूटनीतिक घटनाक्रम है। इन रिपोर्टों के मुताबिक, रूस को फिर से प्रमुख महाशक्तियों के समूह में शामिल करने की ट्रंप की कोशिश और पुतिन को अपना दोस्त बताने से रूस को अलग–थलग करने की कोशिशें एक तरह से ध्वस्त हो गई हैं। इस बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक सुरक्षा को लेकर तीनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। चीन के आधिकारिक बयानों के अनुसार, इस बैठक में तीनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करने, ईरान की आपूर्ति बढ़ाने और परमाणु हथियारों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर पुतिन की स्वीकार्यता और महत्ता स्थापित करने के पीछे एशिया–प्रशांत क्षेत्र में रूस का बढ़ता व्यापार भी एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अभी हाल ही में पुतिन ने कुछ बयान दिए थे, जिनके अनुसार वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में एशिया–प्रशांत देशों के साथ रूस के व्यापार में करीब एक तिहाई की बढ़त हुई है। ऊर्जा, अनाज और उर्वरकों की आपूर्ति के जरिए रूस स्वयं को एशिया–प्रशांत क्षेत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के अहम स्तंभ के रूप में पेश कर रहा है। बेशक भारत और रूस पारंपरिक दोस्त हैं। लेकिन पुतिन की निगाह भारत के विशाल मध्यवर्ग केंद्रित बाजार पर है। इसके साथ यूरेशिया के बाजारों में भी अमेरिका और यूरोप के देशों की तरह आक्रामक घुसपैठ करने की कोशिश में हैं।

संघर्ष बयां करते घिसे जूतों के तलवे

फेरों में दूल्हा सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें खा रहा होता है और उधर सालियां उसके जूते उठाकर सात पुश्तों का हिसाब मांगने लगती हैं! हमारे हर सफर का साथी, ठोकरों का गवाह और हमारी मंजिल का मौन सहयोगी हैंक्र जूता। हम रोज उसे पैरों में पहनते हैं, धूल–मिट्टी भरी कच्ची–पक्की राहों पर घसीटते हैं, बारिश में भिगोते हैं, फिर भी वह शिकायत नहीं करता।

नया जूता शुरू में अक्सर काटता है। जीवन के नए रिश्ते, नई नौकरी, नया वातावरण और नई जिम्मेदारियां भी कुछ दिनों तक चुभती हैं। लेकिन जब तालमेल बैठ जाता है, तो वही चीजें आराम देने लगती हैं। एक दिन जूते ने भगवान से फरियाद कीक्हे प्रभु! आपने मुझे पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए बनाया था, पर इन आदमियों ने तो मेरा पूरा करियर ही बदल दिया। कभी सिर पर चढ़ा देते हैं, कभी मंच पर उछाल देते हैं, कभी मेरी माला बनाकर किसी के गले में डाल देते हैं, तो कभी कुर्सी पर रख देते हैं।

भगवान बोले : तुझे कष्ट क्या है?

जूता बोला जब आदमी मुझे पैरों में पहनकर चलता है, तो मैं नीचे रहता हूं, लेकिन राजनीति में कई बार आदमी खुद इतना नीचे गिर जाता है कि मुझे भी शर्म आने लगती है।

राजनीति में घुसते ही उसे कुर्सी चाहिए। वो भी ऐसी कि जिस पर बैठते ही दुनिया उसके आगे–पीछे घूमे। कुर्सी नहीं मिली तो पार्टी बदल ली, पार्टी में जगह नहीं मिली तो पाला बदल लिया और फिर भी बात नहीं बनी तो सामने वाले पर जूता ही उछाल दिया! बात इतनी–सी है कि जूते का काम पैर बचाना था, पर राजनीति ने उसे कुर्सी बचाने और गिराने, दोनों का जिम्मा दे दिया। मंदिर में आदमी जूते उतारकर बाहर रखता है और लौटते समय भगवान को नहीं, अपने जूतों को खोजता है। फेरों में दूल्हा सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें खा रहा होता है और उधर सालियां उसके जूते उठाकर सात पुश्तों का हिसाब मांगने लगती हैं! कुल सार यह है कि व्यक्ति की सफलता की कहानी और उसके असली संघर्ष उसके घिसे हुए जूतों के तलों में दर्ज होते हैं।

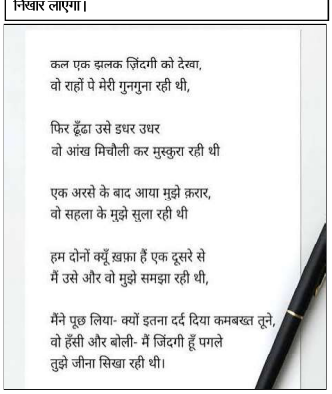

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,

फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आंख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे क़रार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी

हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,

मैंने पूछ लिया- क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हँसी और बोली- मैं ज़िंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

जीएम एकेडमी में खेल महोत्सव का उत्साह चरम पर, नन्हे-मुन्नों ने दिखाया दमखम!

लंबी कूद में शालू सिंह और समर्थ राज ने मारी बाजी, गोला फेंक में शिवानी यादव और सत्यम कुमार रहे प्रथम



सलेमपुर (देवरिया)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के सलेमपुर कस्बा स्थित जी एम एकेडमी में गुरुवार को पांच दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 2026 के दूसरे दिन खेल प्रतियोगिताएं बेहद रोचक और उत्साहपूर्ण रहीं। दूसरे दिन के खेल महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं खेल गतिविधियों की शुरुआत कराकर किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में सुबह से ही छात्र–छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ प्रतिभाग किया। छोटे बच्चों से लेकर बड़े विद्यार्थियों तक सभी ने अपनी प्रतिभा और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। नन्हे–मुन्ने बच्चों की खेल गतिविधियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। उनकी मासूमियत, उत्साह और खेल के प्रति लगन ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

दूसरे दिन आयोजित लंबी कूद प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में कक्षा पांचवीं (बी) रेड हाउस की शालू सिंह ने 2.8 मीटर की छलांग लगाकर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं बालक वर्ग में कक्षा आठवीं (ए) रेड हाउस के समर्थ राज ने 3.5 मीटर की छलांग लगाकर बाजी मारी। इसी क्रम में गोला फेंक प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में कक्षा छठवीं (बी) ब्लू हाउस की शिवानी यादव ने 8.10 मीटर गोला फेंककर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालक वर्ग में कक्षा सातवीं (बी) रेड हाउस के सत्यम कुमार ने 12.60 मीटर गोला फेंककर पहला स्थान हासिल किया।

खेल प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों में जीत हासिल करने का जुनून दिखाई दिया। साथ ही एक–दूसरे का उत्साह बढ़ाने और खेल भावना बनाए रखने का भी शानदार नजारा देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने अपनी क्षमता और मेहनत के दम पर प्रतियोगिताओं को रोमांचक बना दिया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोहन द्विवेदी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद में भाग लेना भी जरूरी है, क्योंकि इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। विद्यालय प्रबंधन का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच मिले। गौरतलब है कि बुधवार को चेयरमैन डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पांच दिवसीय खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया था। पांच दिनों तक चलने वाले इस वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव में विद्यार्थियों को अलग–अलग खेलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल रहा है। आयोजन को सफल बनाने में राकेश मिश्रा, मो. कुदुस, सन्नी सिंह, दिलीप कुमार सिंह, श्वेता राज, सुनील गुप्ता, अनस, आलोक, आर एस त्रिपाठी,अलका, खुशबू, सरिता, रेनू, कृष्णा सहित विद्यालय के सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 138 जोड़ों का विवाह संपन्न



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत राजकीय आईटीआई, देवरिया के प्रांगण में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 138 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिसमें 129 हिंदू एवं 09 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। वैवाहिक समारोह में मुख्य अतिथि विधायक देवरिया सदर शलभ मणि त्रिपाठी ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद एवं सफल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। गणमान्य लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) रामजनम, एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि राजू मणि, सांसद सलेमपुर के प्रतिनिधि रामप्रकाश यादव, अवनीश मणि, अमित वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता, निशिकांत दीक्षित, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष एवं भाजपा नेता बरहज, राजेश सिंह, जिलाध्यक्ष क्षत्रिय महासभा देवरिया, रमिता जायसवाल, समाजसेवी सहित संबंधित खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने भी समारोह में सहभागिता की और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना की।

योजना में क्या मिलता है लाभ

योजना के अंतर्गत सभी वर्गों के ऐसे पात्र परिवारों की पुत्रियों का विवाह कराया जाता है, जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक है। प्रत्येक जोड़े के विवाह पर एक लाख रुपये व्यय किए जाते हैं। इसमें 64 हजार कन्या के बैंक खाते में अंतरित किए जाते हैं, जबकि 21 हजार रुपये की गृहस्थी की सामग्री नवविवाहित कन्या को प्रदान की जाती है। शेष 15 हजार विवाह समारोह के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं।

संविधान के मूल्यों को आत्मसात कर जिम्मेदार नागरिक बनें युवा : डा. रमेश चंद मिश्रा

बीएड प्रशिक्षुओं ने मनाया संविधान दिवस





सलेमपुर (देवरिया)। भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर 2026 को श्री रैनाथ ब्रह्मदेव महाविद्यालय के प्रांगण में बीएड विभाग के प्रशिक्षुओं द्वारा संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संविधान की महत्ता, नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रमेश चंद मिश्रा ने कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, समानता, न्याय और स्वतंत्रता का आधार स्तंभ है। संविधान हमें अधिकार प्रदान करने के साथ ही राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध भी कराता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि भावी शिक्षक होने के नाते उनकी जिम्मेदारी केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उनमें संवैधानिक चेतना, नैतिकता, सहिष्णुता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक संस्कार विकसित करना भी है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक पंडित दीनदयाल मिश्रा, निदेशक राजमणि मिश्रा एवं प्राचार्य डॉ. अजय कुमार मिश्रा के साथ बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र मिश्र, सुमित कुमार पाठक, अमरेंद्र कुमार, प्रवीण नाज, पवन कुमार सिंह सहित बीएड विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने संविधान के मूल्यों, नागरिक दायित्वों और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मायावती के मां दुर्गा स्वः पोस्टर पर सियासी घमासान, भाजपा नेता ने जताया विरोध

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य गेट के समीप टीडी कॉलेज चौराहे पर लगे एक राजनीतिक पोस्टर को लेकर जिले में सियासी पारा चढ़ गया है। इस पोस्टर में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती को अष्टभुजाधारी श्मां दुर्गा स्वरूप, मैया मायावती जीश के रूप में शेर पर सवार दर्शाया गया है।



पोस्टर में मायावती के हाथों में भारतीय संविधान, न्याय की तराजू और कृषि से जुड़े प्रतीक दिखाए गए हैं। आशुतोष पाठक के नाम से लगाए गए इस होर्डिंग में मायावती को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश को श्साफ, सुरक्षित और शिक्षितश करने की कामना की गई है।

इस पोस्टर के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी के खेमे से तीखी प्रतिक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह ने पोस्टर पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति की तुलना देवी–देवताओं से करना सनातन धर्म और हिंदू समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस विवादित पोस्टर को तत्काल हटवाने और संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। शहर के व्यस्ततम चौराहे पर लगे इस पोस्टर को लेकर दिन भर राजनीतिक गलियारों में चर्चा गर्म रही।

मतदाता सूची में नाम खोजने से लेकर बीएलओ से संपर्क तक, ECI Net App पर मिलेंगी सुविधाएं

देवरिया । उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी नागरिकों एवं मतदाताओं को अवगत कराया है कि अर्हता तिथि 01–01–2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एवं आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 की तैयारियां गतिमान हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उक्त निर्वाचन में जनसामान्य, मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के उपयोग हेतु ECI Net App विकसित किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

ऐप पर क्या–क्या होगा

इस ऐप की मदद से मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने, मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि को संशोधित करने तथा मतदाता सूची से नाम विलोपित करने की कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त मतदाता सूची के संबंध में शिकायत, ई–वोटर डाउनलोड, बुक ए कॉल विद बीएलओ, मतदाता सूची में नाम सर्च आदि अन्य कार्य भी किए जा सकते हैं।

उक्त के दृष्टिगत समस्त नागरिकों, मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया है कि इस ECI Net App को गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें तथा अन्य लोगों को भी इसे डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें। इस प्रकार लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना बहुमूल्य योगदान देते हुए सक्रिय सहभागिता निभाएं।

संविधान दिवस पर प्रस्तावना का वाचन 59 हजार से अधिक बच्चों ने पढ़ा संविधान

देवरिया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार संविधान दिवस के अवसर पर जनपद न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपद न्यायालय में समस्त न्यायाधीशगण, कर्मचारीगण, सुरक्षाकर्मी सहित सभी के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया तथा सभी को मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने कहा कि संविधान का उद्देश्य केवल संस्थाओं और अधिकारों का ढांचा तैयार करना नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में स्वतंत्रता, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। शासन में हर संस्था को अपनी शक्तियों के साथ उनकी सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। संस्थागत मर्यादा, आपसी सम्मान और जवाबदेही संवैधानिक लोकतंत्र के लिए जरूरी हैं।

एक स्वर, एक संविधान कार्यक्रम

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध नोडल अधिकारी नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ध अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगन्नाथ के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज देवरिया के प्रांगण में 800 एवं अन्य



चिन्हित विद्यालयों के 58,687 छात्र–छात्राओं तथा कुल 59,487 बच्चों को उनके नामित नोडल के द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया और मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाई गई।

क्विज प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच संवैधानिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला जज ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व की जीवंत भावना है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ–साथ संविधान में निहित मूल कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें, ताकि समाज और राष्ट्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

प्रस्तावना वाचन और मूल कर्तव्यों की शपथ के पश्चात आयोजित क्विज प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के निर्माण, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया और संवैधानिक मूल्यों को अपने दैनिक आचरण में उतारने का संकल्प दोहराया गया।

स्वरोजगार योजना में बलिया ने मारी बाजी, प्रदेश में पाया दूसरा स्थान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी श्मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानश (सीएम युवा) के तहत युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में बलिया जनपद ने पूरे उत्तर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में 25 नवंबर तक जारी ऋण वितरण के आंकड़ों के अनुसार, बलिया ने अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 63.11 प्रतिशत प्रगति दर्ज कर यह उपलब्धि अपने नाम की है।

इस रैंकिंग में पूर्वांचल के जिलों का दबदबा देखने को मिला है। पूरे प्रदेश में 75.69 प्रतिशत प्रगति के साथ आजमगढ़ पहले स्थान पर रहा, जबकि बलिया दूसरे और 56.50 प्रतिशत के साथ रामपुर तीसरे पायदान पर है। इसके अलावा अमरोहा (49.00 प्रतिशत) चौथे और जौनपुर (48.90 प्रतिशत) पांचवें स्थान पर काबिज है।

गौरतलब है कि प्रदेश में ऋण वितरण की कुल औसत प्रगति 41.78 प्रतिशत है, जिससे बलिया काफी आगे है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार देने वाला बनाना है। इसके तहत अपना छोटा उद्योग या कारोबार शुरू करने के लिए युवाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त और बिना गारंटी का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

हम गठबंधन के साझेदार हैं या आपके नौकर? सपा से नाराज इमरान मसूद

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे की चर्चा के बीच कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच मतभेद सामने आने लगे हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा और कांग्रेस को 26 सीटें दिए जाने संबंधी खबरों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस गठबंधन में बराबर की साझेदार है, किसी की नौकर नहीं। मसूद ने सवाल उठाया कि गठबंधन में फैसले आपसी सहमति से होने चाहिए या एकतरफा आदेश जारी किए जाने चाहिए? बृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत में इमरान मसूद ने कहा कि वह अपनी पार्टी के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कांग्रेस के साथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं अपनी पार्टी के लिए लड़ रहा हूं और अपनी पार्टी के साथ जिऊंगा, मरूंगा और रहूंगा। इसके अलावा मेरा कोई दूसरा मकसद या लक्ष्य नहीं है। कांग्रेस को 26 सीटें दिए जाने की चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि गठबंधन में दोनों दलों की बराबर की भागीदारी होनी चाहिए। मसूद ने सवाल किया कि पहले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाती है और बाद में सीट छोड़ने की बात कही जाती है।



उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **दिनांक 21.12.2026 को 15:00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे. यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केनल irope पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या			01232026 दिनांक 25.11.2026
1	कार्य का नाम	1	वरिष्ठ मंडल अभियंता–तृतीय/लख. के अधीन पुल संख्या 75 डाउन पर एप्रोच हेतु पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण के साथ 700 संख्या स्टील नैनल स्लीपरों को एच–बीम स्टील स्लीपरों से बदलने का कार्य।
2	अनुमानित लागत	1	रु. 2,82,43,854.71
3	धरोहर राशि	1	रु. 5,64,900.00
4	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं. 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः (06) माह।
5	निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं. 01 के लिए	07.12.2026
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं. 01के लिए	21.12.2026 15:00 बजे
7	वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोट:– 1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं.74-W/O/PLXXV/WA/Loose दिनांक 07-04-2015). 4099/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

अयोध्या कैंट एवं जनकपुर धाम (नेपाल) के बीच सरयू–कमला एक्सप्रेस रेलगाड़ी का शुभारम्भ

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा अयोध्या कैंट एवं जनकपुर धाम (नेपाल) के बीच सरयू–कमला एक्सप्रेस रेलगाड़ी सं. 15595/15596 शुरू की गई है। इस रेल सेवा की समय–सारणी निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 15595/15596 अयोध्या कैंट – जनकपुर धाम (नेपाल)
अयोध्या कैंट सरयू–कमला एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

	गाड़ी सं. 15595 आगमन	गाड़ी सं. 15595 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 15596 आगमन	गाड़ी सं. 15596 प्रस्थान	
नेपाल समय	----	13:10	जनकपुर धाम (नेपाल)	12:40	----	नेपाल समय
	14:25	15:25	जयनगर कस्टम्स यार्ड	08:45	10:45	
भारतीय समय	14:10	15:10	(नेपाल रेलवे)	08:30	10:30	भारतीय समय
	15:48	15:50	मधुबनी	07:00	07:02	
	17:10	17:15	शिशो	06:05	06:10	
	19:00	19:05	सीतामढी	04:42	04:47	
	21:35	21:40	रक्सौल	03:10	03:15	
	22:50	23:20	नरकटियागंज	01:50	02:20	
	03:55	04:05	गोरखपुर	22:13	22:23	
	05:19	05:22	बस्ती	20:37	20:40	
	06:28	06:30	मनकापुर	19:30	19:32	
	07:25	07:30	अयोध्या धाम जं.	18:20	18:25	
	08:10	----	अयोध्या कैंट	----	17:50	

नियमित परिचालन के दिन: 15595 जनकपुर धाम (नेपाल) से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 20.11.2026 से एवं 15596 अयोध्या कैंट से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 30.11.2026 से।

स्थान: वाता. 2 टीयर, वाता. 3 टीयर, वाता. 3 टीयर इकॉनोमी एवं शयनयान श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

4105/2026 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मनोरंजन जगत ने खोए कई सितारे, आशा भोसले से नाना पाटेकर तक इन हस्तियों ने कहा अलविदा

साल 2026 में मनोरंजन जगत के लिए कई मायनों में यादगार रहा, लेकिन इस साल कुछ ऐसी खबरें भी आईं जिन्होंने फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को गहरे सदमे में डाल दिया। इस साल आशा भोसले, नाना पाटेकर, मुश्ताक खान और प्रदीप रावत समेत कई जानी–मानी हस्तियों ने दुनिया को अलविदा कह दिया। इनमें कुछ कलाकार लंबी बीमारी से जूझ रहे थे, तो कुछ के अचानक निधन की खबर ने सभी को हैरान कर दिया। आशा भोसलेरू भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल का दिन बेहद दुखद रहा। दिग्गज गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। आठ दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी के अलावा कई भाषाओं में हजारों गाने गाए। दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, चुरा लिया है तुमने और इन आंखों की मस्ती जैसे गाने आज भी लोकप्रिय हैं। मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। नाना पाटेकररू हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में निधन हो गया। वह गोवा स्थित अपने घर पर बेहोश पाए गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। रिपोर्ट्स में दिल का दौरा पड़ने की बात सामने आई। नाना ने परिंदा, प्रहार, तिरंगा, क्रांतिवीर और खामोशीरू द म्यूजिकल जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। उनका अंतिम संस्कार पुणे स्थित फार्महाउस में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। मुश्ताक खानरू फिल्मों में अपने मजेदार अंदाज से दर्शकों को हंसाने वाले अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को निधन हो गया। वह 56 साल के थे।



वह पिछले कुछ समय से लिवर कैंसर से जूझ रहे थे और मुंबई के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने आशिकी, हम हैं राही प्यार के, जुड़वा, मुझसे शादी करोगी और वेलकम जैसी फिल्मों में काम किया। वेलकम फिल्म में उनका हॉकी खिलाड़ी वाला किरदार और उससे जुड़ा डायलॉग दर्शकों को हमेशा याद रहेगा। प्रदीप रावतरू आमिर खान की फिल्म गजनी में विलेन का किरदार निभाने वाले अभिनेता प्रदीप रावत का 4 अगस्त को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। वह पिछले पांच साल से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। बीमारी से उबरने के बाद दोबारा उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और भिवंडी के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने हिंदी फिल्मों के साथ–साथ साउथ फिल्मों में भी काम किया। लगान में उनका किरदार भी काफी चर्चा में रहा। कुकू कोहलीरू फिल्ममेकर कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 साल की उम्र में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने फूल और कांटे, सुहाग, हकीकत, अनाड़ी नंबर 1, जुल्मी और ये दिल आशिकाना जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। उनकी आखिरी निर्देशित फिल्म वो तेरा नाम था 2004 में रिलीज हुई थी। संजय गुप्तारू कांटे, शूटआउट एट लोखंडवाला और शूटआउट एट वडाला जैसी फिल्मों के निर्देशक संजय गुप्ता का 30 अक्टूबर की रात को निधन हो गया। वह 59 साल के थे। मुंबई स्थित अपने घर में गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। फिल्ममेकर मिलाप जावेरी और अशोक पंडित ने उनके निधन की खबर की पुष्टि की। उन्होंने आतिश, मुसाफिर, जिंदा, जज्बा, काबिल और मुंबई सागा जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। प्रशांत तमांगरू सिंगर और अभिनेता प्रशांत तमांग का 11 जनवरी को 43 साल की उम्र में निधन हो गया।

माधुरी दीक्षित को भी है चाय का शौक, बोलीं– हमारे घर में दिनभर बनती थी चाय

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपनी शानदार अदाकारी के साथ–साथ अपने खुशमिजाज अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। इन दिनों वह मराठी रियलिटी विवज शो कोण होणार करोड़पति को होस्ट कर रही हैं। शो में माधुरी अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में शो के दौरान कमीडियन और अभिनेता भुवन बाम के साथ बातचीत में माधुरी ने चाय के प्रति अपने प्यार का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके घर में भी दिनभर चाय बनती थी और यह घर की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हुआ करती थी। दरअसल, शो में माधुरी भुवन बाम के साथ बातचीत कर रही थीं। इस दौरान भुवन ने बताया कि उन्हें मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां के लोग लगते हैं। उनकी इस बात पर माधुरी ने सहमति जताई। उन्होंने मुंबई के लोगों की मदद करने वाले स्वभाव की तारीफ की। इसके बाद बातचीत का रुख चाय की तरफ मुड़ गया। भुवन ने चाय के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें चाय पीना बहुत पसंद है। इस पर माधुरी ने भी अपनी चाय की आदत का जिक्र किया। उन्होंने अपने घर का पुराना रूटीन याद करते हुए बताया, हमारे घर में भी दिनभर चाय बनती थी। भुवन ने भी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए तो एक पूरा फ्लास्क चाय तैयार किया जाता था। इस पर माधुरी ने उनकी बात आगे बढ़ाते हुए पूछा कि दिनभर चाय पीने के साथ अनजाने में काफी चीनी भी शरीर में चली जाती होगी। इस पर भुवन ने बताया कि उन्होंने अब चीनी खाना छोड़ दिया है। उनकी इस बात पर माधुरी ने अपने मजेदार अंदाज में उनकी तारीफ करते हुए कहा, यह बहुत अच्छी बात है। आपने चीनी खाना छोड़ दिया है, लेकिन आप अब भी इतने स्वीट हैं। माधुरी की इस बात पर भुवन शरमा गए और मुस्कुराते हुए थैंक्यू बोला।





वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली, किस्मत ने पहना दिया फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज

अभिनेत्री सेलिना जेटली आज किसी कॉकपिट में बैठकर बादलों के बीच उड़ान भर रही होतीं या किसी अस्पताल के गलियारों में तेज कदमों से चल रही होतीं, तो शायद किसी को हैरानी न होती क्योंकि अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह भारतीय वायुसेना की पायलट या डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे बॉलीवुड की हीरोइन बन गईं। आइए जानते हैं कि सेना की वर्दी पहनने की चाह रखने वाली वाली एक साधारण सी लड़की ने कैसे ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा और बॉलीवुड की अदाकारा के तौर पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। 24 नवंबर 1981 में हिमाचल प्रदेश में जन्मी अभिनेत्री सेलिना जेटली बॉलीवुड की उन अदाकारों में शुमार हैं, जिनका परिवार पीढ़ियों से देश की सेवा में योगदान देता आ रहा है। दरअसल, अभिनेत्री के पिता भारतीय सेना (कुमाऊं रेजिमेंट) में कर्नल थे और साल 1971 में भारत–पाक युद्ध में हिस्सा भी लिया था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी सुनने की शक्ति चली गई थी। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में भी सेवा दी थी और उनकी मां मीता सेना में नर्स रह चुकी हैं। उनके नाना भी भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में कर्नल के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने 1962 व 1965 के युद्धों में भाग लिया था। वहीं, अभिनेत्री के भाई भारतीय सेना की विशिष्ट 3 पैरा स्पेशल फोर्सेज में मेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं। वीरता के लिए उन्हें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) प्रशंसा पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में लिए जाने के मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं। माता– पिता के तबादलों के चलते अभिनेत्री सेलिना जेटली का बचपन देश के अलग–अलग हिस्सों में बीता, जिससे उन्हें कई भाषाओं और परिवेशों को समझने का मौका मिला। स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद अभिनेत्री ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य (कॉमर्स) में स्नातक किया। आर्मी के माहौल में पली–बढ़ी सेलिना बचपन में अपने पिता की तरह सेना में शामिल होना चाहती थीं, उन्होंने मन बना लिया था कि वह पायलट और डॉक्टर बनेंगी। इसके लिए वे मेडिकल (पीएमटी) और कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। वहीं, पढ़ाई के दौरान अपना खर्च चलाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए अभिनेत्री ने 15–16 साल की उम्र में स्थानीय ब्रांड्स और बंगाली पत्रिकाओं के लिए मॉडलिंग करनी शुरू कर दी थी। इस दौरान अभिनेत्री रिमी सेन भी उनकी स्कूल की दोस्त थीं और दोनों ने शुरुआत में कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स भी किए थे। मॉडलिंग के साथ–साथ उन्होंने एक टेलीकॉम (सेलफोन नेटवर्क) कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर भी काम किया, जहां वे सेल्स टीम को लीड करती थीं। इसी दौरान दोस्तोंऔर शुभचिंतकों के प्रोत्साहन पर उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसने उनके लिए बड़े मंच के दरवाजे खोल दिए। फिर, साल 2001 में अभिनेत्री ने फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया।

प्रभु देवा की फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे विष्णु मंचू, बर्थडे पर हुआ ऐलान

मशहूर तेलुगु अभिनेता और निर्माता विष्णु मंचू जल्द ही फिल्मकार प्रभु देवा की आगामी तमिल–तेलुगु फिल्म वीएम24 में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। सोमवार को प्रभु देवा ने विष्णु मंचू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए इस फिल्म में उनके साथ काम करने की आधिकारिक पुष्टि की। प्रभु देवा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विष्णु मंचू के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, प्यारे हीरो और छोटे भाई विष्णु मंचू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। इस सेलिब्रेशन को वीएम24 के साथ और भी ज्यादा स्पेशल और रंगीन बना रहे हैं। प्रभु देवा म विष्णु मंचू की फिल्म वीएम24 के सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म के टाइटल, कहानी और बाकी कास्ट के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन दो बड़े नामों के एक साथ आने की वजह से ही इस प्रोजेक्ट ने पहले से ही सबका ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म के जरिए प्रभु देवा लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं, जबकि अभिनेता विष्णु मंचू इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। विष्णु मंचू ने अपना करियर मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में बनाया है, जिसमें धी, देनीकैना रेडी, दूसुकेल्था और गिन्ना जैसी फिल्में शामिल हैं। वह आखिरी बार कन्नप्पा में नजर आए थे, जो मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म थी। इसमें प्रभास, अक्षय कुमार और मोहनलाल जैसे बड़े स्टार्स थे। प्रभु देवा के साथ उनकी अपकमिंग फिल्म उन्हें अपना काम तमिल दर्शकों तक पहुंचाने का मौका देगी। वहीं, प्रभु देवा इस फिल्म में एक्टिंग, कोरियोग्राफी और डायरेक्शन का अपना लंबा अनुभव लेकर आ रहे हैं। उन्होंने 2005 में तेलुगु फिल्म नुव्वोस्तानंते नेनोद्दांताना से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया था और आगे चलकर पोक्किरी, राउडी राठौर और वांटेड जैसी फिल्मों का डायरेक्शन किया। तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में उनके काम ने उन्हें अलग–अलग कमर्शियल जॉनर एक्सप्लोर करने का मौका दिया, जिसकी वजह से वह सभी फिल्म इंडस्ट्रीज में जाना–पहचाना नाम बन गए।

सिर्फ क्या खाते हैं यह नहीं, कैसे खाते हैं यह भी है जरूरी, आयुर्वेद से जानिए नियम

अच्छी सेहत के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि आप किस समय, कितनी मात्रा में और किस तरीके से भोजन करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, खानपान की सही आदत पाचन को बेहतर बनाने के साथ शरीर में वात, पित्त और कफ दोषों का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करती है। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन तभी करना चाहिए जब आपको वास्तव में भूख लगे। भोजन को हमेशा धीरे–धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं। जल्दबाजी में खाना खाने से पाचन प्रभावित हो सकता है, इसलिए रोजाना समय पर खाना खाने की आदत डालें। इसके साथ ही बहुत ज्यादा खाना या बहुत कम खाना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। अपनी डाइट में मौसमी फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज और दालों को जगह दें। गेहूं, जौ, बाजरा, ज्वार और रागी जैसे अनाज फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। मैदा से बनी चीजों, जैसे सफेद ब्रेड, नान और अन्य बेकरी उत्पादों का सेवन सीमित रखें। सब्जियों और फलों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। भोजन को कम तेल में पकाएं और उबालने, भाप में पकाने जैसे तरीकों को प्राथमिकता दें। भोजन करने के तुरंत बाद सोने या भारी शारीरिक काम करने से बचें। खाने के बाद कुछ समय आराम करें और रात का खाना सोने से कम से कम दो घंटे पहले खाएं। भोजन करते समय मोबाइल, टीवी या दूसरी चीजों में ध्यान लगाने के बजाय खाने पर ध्यान दें। आयुर्वेद में शांत मन से भोजन करने को भी महत्व दिया गया है। आयुर्वेद में गुनगुना पानी पीने को पाचन के लिए लाभकारी माना गया है। हालांकि, पानी अपनी प्यास और जरूरत के अनुसार ही पिएं। इसके अलावा नमक और चीनी का सेवन कम करें। कोल्ड ड्रिंक, फास्ट फूड और ज्यादा तली–भुनी चीजों से दूरी बनाएं। छाछ, लस्सी, नारियल पानी और दूध को संतुलित मात्रा में डाइट में शामिल कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन करते समय पेट को पूरी तरह नहीं भरना चाहिए। पारंपरिक मान्यता के मुताबिक, पेट को तीन हिस्सों में बांटना चाहिए। इनमें एक हिस्सा भोजन के लिए, दूसरा पानी के लिए और तीसरा हिस्सा खाली रखना चाहिए, ताकि पाचन की प्रक्रिया ठीक तरह से हो सके।



वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचने से पहले की थी युवराज सिंह से बात, कहा– उनकी सलाह से मदद मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर–19 के



दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था। उन्होंने कहा, मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली। वैभव ने कहा कि युवराज सिंह ने उनकी जो भी कमियां बताई थीं, मैं उन्हें समझता था और मैच के दौरान उनके बताए तरीकों का पालन किया। इसका परिणाम सबके सामने है। युवा खिलाड़ी ने कहा कि टूर्नामेंट के पिछले 2 मैचों और एक घरेलू मैच में मुझसे रन नहीं बने थे। इस वजह से मेरा दिमाग थोड़ा भटक रहा था। मैं सोच रहा था कि क्या हो रहा है। मैंने युवी सर से बात की। वह मेरे आदर्श हैं। जब आप अपने आदर्श से बात करते हैं, तो आप उनकी हर बात ध्यान से सुनते हैं। उन्होंने कुछ बहुत खास बातें बताईं। जब मैंने बाद में अपनी बैटिंग के वीडियो देखे, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं वही गलतियां कर रहा था। आज, मैंने उन गलतियों को न दोहराने की कोशिश की और उन्होंने जो एक–दो बातें बताई थीं, उन्हें लागू किया। इससे मुझे मदद मिली।

दिल्ली, केरल, बंगाल, पंजाब और छत्तीसगढ़ ने जीते मैच

नयी दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मंगलवार को हुए मैच बेहद रोमांचक रहे। दिल्ली के कप्तान प्रियांश आर्य ने जहां रिकॉर्ड शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई, वहीं केरल, बंगाल, पंजाब और छत्तीसगढ़ ने अपने मैच जीते। मैचों पर नजर डालें तो टूर्नामेंट का 96वां मैच गोवा और छत्तीसगढ़ के बीच कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर, सेकेंड ग्राउंड में खेला गया। मैच 1 गेंद शेष रहते छत्तीसगढ़ ने 4 विकेट से जीत लिया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोवा ने कप्तान अभिनव तेजराणा के 62 और ललित यादव के 57 रन की मदद से 6 विकेट पर 196 रन बनाए थे। छत्तीसगढ़ ने अमनदीप खरे के 62 गेंदों पर 7 छक्कों और 9 चौकों की मदद से बनाए गए।

युजवेंद्र चहल, नितीश राणा और राहुल तेवतिया ने किए भगवान महाकाल के दर्शन, मंदिर व्यवस्था की प्रशंसा की

उज्जैन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर नितीश राणा, युजवेंद्र चहल और राहुल तेवतिया बुधवार की सुबह उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहुंचे। तीनों क्रिकेटरों ने भस्म आरती में शामिल हुए और भगवान महाकाल के दर्शन करने के साथ ही पूजा–अर्चना की। सभी खिलाड़ी प्रातरुकालीन दिव्य भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर भगवान की आराधना की। दर्शन के बाद खिलाड़ियों ने मंदिर समिति द्वारा की गई सुगम और वीआईपी दर्शन व्यवस्था की प्रशंसा की। स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा, जब भी भस्म आरती देखने आते हैं, तो काफी अच्छा लगता है। मंदिर द्वारा जो सुविधाएं दी जाती हैं, उनसे कभी भी पूजा–पाठ या दर्शन में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। बहुत ही आराम से दर्शन होता है। भक्तों की कितनी भी बड़ी संख्या आ जाए, यहां कोई दिक्कत नहीं होती। नितीश



राणा ने कहा, मैं यहां पर भस्म आरती के लिए आया था। मैं पहले भी कई बार यहां आ चुका हूं। मैं जिंदगी में कभी भी परेशान होता हूं या दुविधा में होता हूं, तो महाकालेश्वर आता हूं। भगवान महाकाल के दर्शन करता हूं। मंदिर की व्यवस्था बहुत अच्छी है। युजवेंद्र चहल और नितीश राणा दोनों भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, जबकि राहुल तेवतिया को टीम इंडिया की तरफ से डेब्यू का मौका नहीं मिला है। हालांकि, तीनों खिलाड़ियों को देखने का मौका फैंस को आईपीएल में मिलता है। चहल फिलहाल पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। अपनी लेग स्पिन से हमेशा की तरह पिछले दो सीजन में भी चहल पंजाब के लिए काफी प्रभावी साबित हुए हैं। आईपीएल 2027 में भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाए हुए है। नितीश राणा पिछले सीजन दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे।

डफी एक क्लासी बॉलर, हम उन्हें लेकर चिंतित नहीं: मैट हेनरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, जैकब डफी एक क्लासी बॉलर हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते। हेनरी ने कहा, डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके,



और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं है। उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्विंग तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया। जैकब डफी का नाम न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन गेंदबाजों के तौर पर लिया जाता है। दाएं हाथ का मध्यम गति का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट में 26, 27 वनडे में 49 और 52 टी20 में 67 विकेट ले चुका है।

ओडिशा के खेल पर्यटन के सपने को बढ़ावा देगा

पुरी, एजेंसी। ओडिशा 13 दिसंबर को पुरी कोस्टल मैराथन 2026 के आयोजन के साथ ही अपने स्पोर्ट्स टूरिज्म (खेल पर्यटन) प्रोफाइल को मजबूत करने की कोशिश करेगा। यह एक ऐसा इवेंट है, जिसमें राज्य के मशहूर समुद्र तट के किनारे कॉम्पिटिटिव रनिंग के साथ–साथ डेस्टिनेशन प्रमोशन भी होगा। भारत के पहले रोड–प्लस–सैंड मैराथन के तौर पर बताए जा रहे इस इवेंट में देश और विदेश से पेशेवर एथलीट, शौकिया धावक और फिटनेस के शौकीन लोग आएंगे। सभी पुरी के तटीय बैकग्राउंड में एक खास दौड़ का अनुभव लेंगे। मैराथन में चार रेस कैटेगरी (42,000, 21,000, 10,000 और 5,000) हैं। 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के साथ, आयोजकों का मकसद शीर्ष कॉम्पिटिटर्स को आकर्षित करना और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रनिंग कैलेंडर पर इवेंट की प्रोफाइल को बढ़ाना भी है।

सुपर 90, 3 दिसंबर से शुरू होगा चौथा सीजन, गेल, हेल्स, रॉय, हसन जैसे स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नैरोबी, एजेंसी। पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने–माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रैंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशरू मेरु थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे। श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे। टूर्नामेंट में कई और जाने–माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं, जो हिस्सा लेने वाली टीमों में और गहराई और अनुभव जोड़ेंगे। शुरुआती मैच में पंजाब टाइटन्स का मुकाबला 3 दिसंबर को नैरोबी जिमखाना क्रिकेट क्लब में दिल्ली रॉयल्स से होगा। नैरोबी लायंस का मुकाबला 4 दिसंबर को लंदन जायंट्स से होगा, जबकि दिल्ली रॉयल्स उसी दिन बाद में हरियाणा वॉरियर्स के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। लंदन जायंट्स का मुकाबला 5 दिसंबर को एल्डोरेट टाइगर्स से होगा, जबकि मेरु थंडर्स उसी दिन पंजाब टाइटन्स के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगी। सात फ्रैंचाइजीकृहरियाणा वॉरियर्स, पंजाब टाइटन्स, नैरोबी लायंस, मेरु थंडर्स, एल्डोरेट टाइगर्स, दिल्ली रॉयल्स और लंदन जायंट्सकृके साथ, यह टूर्नामेंट इंटरनेशनल और केन्याई क्रिकेटरों को एक साथ लाएगा, जिससे खिलाड़ियों को एक कॉम्पिटिटिव प्लेटफॉर्म मिलेगा और देश में क्रिकेट को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मैच रोजाना दो स्लॉट में खेले जाएंगे।

टाटा स्टील एपीएल अपोलो में प्रवर्तकों की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील ने सोमवार को कहा कि उसने एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड में प्रवर्तकों की पूरी 26. 6 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,100 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 15,510 करोड़ रुपए में खरीदने के लिए एक समझौता किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक विशेष अनुबंध के लिए यह समझौता टाटा स्टील और एपीएल अपोलो के प्रवर्तक समूह से जुड़ी कंपनी एसजी टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (एसजी स्पेक्ट्रा) के बीच किया गया है। इसके बाद, टाटा स्टील एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड में अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 2,301.40 रुपए प्रति शेयर के भाव पर खुली पेशकश भी लाएगी, जिसकी कुल कीमत 16,756 करोड़ रुपए होगी। बयान के अनुसार यह सौदा नियामकीय मंजूरियों के अधीन है। टाटा स्टील को आने वाले महीनों में ये मंजूरियां मिलने और वित्त वर्ष 2026–27 के भीतर सौदे को पूरा करने की उम्मीद है। टाटा स्टील को एपीएल अपोलो के जरिये स्टील ट्यूब और कलर कोटेड उत्पादों के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। नई इकाई एपीएल अपोलो ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड 2035 तक 1.55 करोड़ टन सालाना क्षमता तैयार करेगी, जिसमें 90 लाख टन सालाना स्टील ट्यूब और 65 लाख टन सालाना कलर कोटेड उत्पाद शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि एपीएल अपोलो ट्यूब्स के साथ जुड़ने से दोनों कंपनियों की संयुक्त ताकत सामने आएगी, क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा, मूल्य सृजन होगा और मुनाफा बढ़ेगा।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स ने लगाई 1,502 अंकों की छलांग

मुंबई, एजेंसी। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 1,502 अंक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी 470 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की लिवाली, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्रमुख बैंक शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी रही। बीएसई के 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,502.29 अंक यानी 1.82 प्रतिशत चढ़कर 83,938.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 2,062.22 अंक यानी 2.50 प्रतिशत उछलकर 84,498.21 अंक पर पहुंच गया था। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.49 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ।

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद

मुंबई, एजेंसी। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, बैंकिंग, फाइनेंशियल और एफएमसीजी शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 1.8 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय, बीएसई सेंसेक्स 1,502.29 अंकों यानी 1.82 प्रतिशत चढ़कर 83,938.28 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 469.60 अंक यानी 1.85 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,819.25 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने जहां अपने पिछले बंद 82,435.99 की तुलना में 2,062.22 अंकों यानी 2.50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 84,498.21 का उच्चतम स्तर छुआ, वहीं निफ्टी 50 ने अपने पिछले बंद 25,349.65 की तुलना में 602 अंकों यानी 2.37 प्रतिशत उछलकर 25,951.65 का दिन का हाई स्तर किया। इस बीच,



निफ्टी 50 इंडेक्स में हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयरों में सबसे ज्यादा 6.08 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में 4.66 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ में 4.58 प्रतिशत, नेस्ले इंडिया, इंडिगो, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा और ये दिन के टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। वहीं इसके विपरीत, टाटा स्टील, मैक्स हेल्थ, हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील, श्रीराम फाइनेंस और भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी में 3.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे बेहतर परफॉर्म किया। इसके बाद निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 2.2 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा इंडेक्स 2.4 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.2 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.16 प्रतिशत और निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.12 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मीडिया में 4.4 प्रतिशत, निफ्टी मेटल्स में 2.04 प्रतिशत और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई। निफ्टी के तकनीकी आउटलुक पर टिप्पणी करते हुए बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि सोमवार के सत्र में प्रॉफिट बुकिंग के बाद बुधवार को इंडेक्स में जोरदार रिकवरी देखने को मिली और इसने 25,650 के महत्वपूर्ण स्तर को फिर से हासिल कर लिया।एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा, कुल मिलाकर, तेजी का रुझान बरकरार है। इसमें 25,650 पर तत्काल सपोर्ट है, जबकि 26,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर पर रेजिस्टेंस है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंडेक्स 26,000 के स्तर को मजबूती से पार कर लेता है तो यह 26,500 के अगले ऊपरी लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता खोल सकता है। प्रमुख क्षेत्रों (हेवीवेट सेक्टर्स) में आई तेजी के दम पर पूरे सत्र के दौरान बाजार का सेंटिमेंट सकारात्मक बना रहा। इस तेजी में फाइनेंशियल शेयरों का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसमें प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर के बैंकों में व्यापक खरीदारी देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह तेजी निवेशकों के बीच जोखिम लेने की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है।

गरीबी उन्मूलन के लिए वित्त, डिजिटल अर्थव्यवस्था तक व्यापक पहुंच जरूरी : सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि गरीबी खत्म करने और इससे बाहर निकले लोगों को वापस गरीबी में जाने से रोकने के लिए वित्त, बाजार और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक व्यापक पहुंच जरूरी है। वित्त मंत्री ने विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें 2011 और 2023 के बीच लगभग 50 करोड़ भारतीयों के गरीबी से बाहर निकलने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अभावों को दूर करने के लिए लक्षित कदमों, स्पष्ट नतीजों और जरूरत के हिसाब से तैयार योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। सीतारमण ने लिंक्डइन पर पोस्ट किया, गरीबी केवल आय या मजदूरी की कमी नहीं है। एक सुरक्षित छत, साफ पानी, स्वच्छता या स्वास्थ्य सेवाओं के बिना कोई भी परिवार आय बढ़ने के बाद भी असुरक्षित बना रहता है। एक



बीमारी सारी बचत खत्म कर सकती है और परिवार को वापस गरीबी में धकेल सकती है।इश उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना और स्वच्छ भारत जैसी कल्याणकारी योजनाएं मिलकर इन जोखिमों के खिलाफ कवच का काम कर रही हैं, जो कभी परिवारों को वापस गरीबी में ढकेल देते थे। साथ ही इनसे घरेलू खर्च में कमी आ रही है और समय भी बच रहा है। सीतारमण ने कहा, अगला चरण इस प्रगति को आगे बढ़ाते हुए उन कुछ लोगों को भी गरीबी से बाहर निकालने का है जो अब भी सबसे निचले पायदान पर हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि जो लोग पहले ही ऊपर उठ चुके हैं, वे आगे बढ़ते रहें और कभी पीछे न फिसलें। विभिन्न उपायों के जरिये दी गई सुरक्षा के साथ अब वित्त, बाजार और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक और भी व्यापक पहुंच की जरूरत है। विकसित भारत के सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के जरिये शिक्षा जगत और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल बना रही है, जबकि बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश देश को जोड़ रहा है। अवसर केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं रह सकते।

टीवीएस मोटर तमिलनाडु में 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। टीवीएस मोटर कंपनी तमिलनाडु में अगले चार वर्षों के दौरान 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और इससे 1,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक गैर–बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। सूचना के अनुसार, तमिलनाडु सरकार अपनी नोडल एजेंसी गाइडेंस के माध्यम से टीवीएस मोटर को आवश्यक बुनियादी ढांचागत सुविधाएं और नियामकीय प्रक्रियाओं में सहायता उपलब्ध कराएगी। यह सहयोग लागू कानूनों के अधीन होगा।

सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर 5 न्यूट्रास्यूटिकल कंपनियों के लाइसेंस निलंबित

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और नियामकीय मानकों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद पांच न्यूट्रास्यूटिकल और हेल्थ प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। खाद्य नियामक ने जिन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है उनमें वेदांत रेमेडीज, ल्यूसिड हेल्थकेयर, एम्बिको आयुर्वेदिक हेल्थकेयर, विटामेडिक हेल्थ न्यूट्रास्यूटिकल्स और एडोरियल हेल्थकेयर शामिल हैं। एफएसएसएआई के अनुसार, वेदांत रेमेडीज में निरीक्षण के दौरान खराब स्वच्छता व्यवस्था, अपर्याप्त कीट नियंत्रण, एक्सपायर्ड फ्लेवरिंग पदार्थों का उपयोग तथा आयुष और एफएसएसएआई लाइसेंस प्राप्त सामग्री के बीच उचित पृथक्करण की कमी पाई गई, जिससे क्रॉस–कंटैमिनेशन का जोखिम बढ़ रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ उत्पाद वैध खाद्य लाइसेंस के बिना बनाए जा रहे थे। कंपनी का अनुपालन स्कोर केवल 12 प्रतिशत रहा। ल्यूसिड हेल्थकेयर में भी कई गंभीर कमियां मिलीं। एफएसएसएआई ने खराब स्वच्छता, कमजोर कीट नियंत्रण व्यवस्था और आयुर्वेदिक तथा न्यूट्रास्यूटिकल निर्माण गतिविधियों के बीच पर्याप्त अलगाव की कमी दर्ज की।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



हरियाणा कांग्रेस ने निकाला संविधान रक्षा मार्च

♦ मार्च के दौरान दिखी गुटबाजी

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़ । हरियाणा कांग्रेस ने संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को पंचकूला में संविधान रक्षा मार्च निकाला। सेक्टर–26 स्थित महाराणा प्रताप भवन से मार्च की शुरुआत हुई, लेकिन इस दौरान कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी साफ नजर आई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के इंतजार में मार्च को करीब एक घंटे तक रोकना पड़ा, जबकि कई वरिष्ठ नेता बिना रुके आगे निकल गए। इस दौरान रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने पुलिस बेरिकेड के पास गाड़ी की छत पर चढ़कर संविधान की प्रति लहराई।

कांग्रेस ने मार्च की शुरुआत दोपहर बाद 2 बजे से रखी थी, लेकिन विधानसभा का विशेष सेशन होने की वजह से पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा समय पर नहीं पहुंच सके। इसके बाद कुछ वर्करों ने चलना शुरू कर दिया। तब दीपेंद्र ने बेरिकेड के पास गाड़ी की छत पर चढ़कर उन्हें रुकने को कहा। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त व प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र राव तो रुक गए। लेकिन पूर्व मंत्री बीरेंद्र डूमरखां, पंचकूला विधायक चंद्रमोहन व कालका के पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी नहीं रुके। तीनों नेता अपने वर्करों के साथ मार्च करते हुए एक घंटे पहले ही डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर पहुंच गए। बाद में हुड्डा प्रदेश प्रभारी संजय दत्त और प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र के साथ मार्च करते हुए पहुंचे। सभी ने नीले रंग की पगड़ियां पहनी हुई थी।

प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह व प्रभारी संजय दत्त व दीपेंद्र हुड्डा ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा समर्थकों को रास्ते में रोक कर एक घंटे तक खड़े रहे। जब हुड्डा और विधायक कार्यक्रम में शामिल हुए तो मार्च फिर से शुरू हुआ और डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक तक पहुंचा।संविधान रक्षा मार्च के दौरान राव नरेंद्र ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस दौरान अन्य वर्करों ने उनके पीछे–पीछे प्रस्तावना को दोहराया। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने कहा–भाजपा सरकार वोट चोरी से बनी है। चुनाव आयोग की मशीनरी के दुरुपयोग किया गया।कांग्रेस नेताओं ने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर को साक्षी मानकर संविधान रक्षा की प्रतिज्ञा भी पढ़ी। सभी वर्करों को अपने बूथ पर वोट रक्षक बनने की संकल्प दिलाया गया। कहा गया कि वोटर लिस्ट से जो भी नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, वो दोबारा जुड़वाए जाएंगे। वोट बचाओ–देश बचाओ और संविधान बचाओ के नारे लगवाए गए।

मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजे किसान और मजदूर, सौंपा ज्ञापन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। ऐतिहासिक किसान आंदोलन की छठी वर्षगांठ और संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा खेत मजदूर और सीटू (ब्ज्न्) सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के तत्वावधान में जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना–प्रदर्शन किया गया। सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर में जुटे प्रदर्शनकारियों ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 2020 के किसान आंदोलन के दौरान सरकार द्वारा किए गए लिखित समझौतों को आज तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने सभी कृषि उपज की खरीद सी250 प्रतिशत की दर से सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी (डैच्) की कानूनी गारंटी देने तथा किसानों को सस्ती दरों पर खाद, डीजल व बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। मजदूर नेताओं ने चार नई श्रम संहिताओं को रद्द कर पुराने श्रम कानूनों को बहाल करने, बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी पर प्रभावी रोक लगाने तथा शिक्षा व चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर बलिया जनपद के लोगों को हर वर्ष होने वाली बाढ़ और नदी कटान की विभीषिका से स्थायी मुक्ति दिलाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

आप की महारैली : केजरीवाल ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां कॉफी मशीन फटने से एक कर्मी की मौत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मोगा । आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को अपने स्थापना दिवस के अवसर पर मोगा जिले के नथूवाला जदीद गांव में श्खुशहाल पंजाब महारैलीश के जरिए 2027 के विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया। रैली को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संबोधित किया। हालांकि, रैली शुरू होने से ठीक पहले कार्यक्रम स्थल पर हुए एक दर्दनाक हादसे में एक कर्मचारी की जान चली गई।

हर गारंटी पूरी करने का दावा : केजरीवाल

विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने 2022 के चुनाव में जनता को दी गई सभी गारंटियां पूरी कर दी हैं। उन्होंने 600 यूनिट मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा कार्ड, मोहल्ला क्लीनिक, 70 हजार से अधिक सरकारी नौकरियों और महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक देने की योजना का जिक्र किया। केंद्र सरकार पर पंजाब का फंड रोकने और संविधान के अपमान का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने मतदाताओं को आगाह किया कि यदि राज्य में कांग्रेस या भाजपा की सरकार आई, तो दिल्ली की तरह यहां भी जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी।

विपक्ष पर सीएम मान का हमला

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंच से अपनी सरकार के साढ़े चार साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड पेश किया और स्मार्ट राशन कार्ड वितरण की शुरुआत की। उन्होंने अकाली दल और भाजपा के संभावित गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में ही पंजाब में नशा और गैंगस्टरवाद पनपा था। मान ने किसान आंदोलन और चंडीगढ़ के मुद्दे पर भी केंद्र व विपक्षी दलों को घेरा।

रैली से पहले हादसा, एक की मौत

नेताओं के मंच पर पहुंचने से पहले गुरुवार सुबह करीब 10रू30 बजे मीडिया कर्मियों के लिए बने भोजन पंडाल में अचानक कॉफी मशीन का कंप्रेसर तेज धमाके के साथ फट गया।

इस हादसे में वहां काम कर रहे एक कैटरिंग कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। ६ माके के कारण कुछ देर के लिए पंडाल में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। दूसरी ओर, रैली में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी बसों के इस्तेमाल को लेकर भी विपक्ष ने सरकार की घेराबंदी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की तारीफ

वाशिंगटन, एजेंसी।

एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग पिछले कई दिनों से चर्चाओं में बने हुए हैं. इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया सीईओ जेन्सेन हुआंग की पत्नी लोरी की तारीफ की. उन्होंने कहा कि पत्नी ने हुआंग को माफ कर दिया है. ट्रंप ने कहा कि लोरी बहुत अच्छी महिला हैं. दोनों ने आपस में अपना मामला सुलझा लिया है. बता दें, भले ही ट्रंप कह रहे हैं कि हुआंग और लोरी के बीच सब ठीक हो गया है लेकिन लोरी ने अब तक इस बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ भी नहीं कहा. जेन्सेन हुआंग का 3 महिलाओं के साथ अफेयर होने की खबरें हैं, जिसमें एलिस हुआंग, किम्बर्ली पॉवेल और एनवीडिया की ही एक कर्मचारी. एलिस पर ही चीनी जासूस होने का आरोप है।

डोनाल्ड ट्रंप भारत–चीन समेत 14 अन्य देशों पर नए टैरिफ लागू करने की बना रहे योजना

वाशिंगटन, एजेंसी।। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 2 टैरिफ फैसलों पर कोर्ट के झटके लगने के बाद भी नया टैरिफ लागू करने की योजना बना रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन उन देशों पर अधिक टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है, जिन पर उसने सब्सिडी और दूसरी सरकारी मदद के जरिए घरेलू उद्योग को सपोर्ट करने का आरोप लगाया है। योजना से भारत को अमेरिकी टैरिफ के एक और दौर का सामना करना पड़ सकता है। प्रस्तावित योजना में चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ और कई दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था शामिल हो सकती हैं। यह योजना उद्योग सब्सिडी पर अमेरिकी की महीनों लंबी जांच के बाद बनी है। वाशिंगटन का तर्क है कि इससे विदेशी मैन्युफैक्चरर्स को अमेरिकी कंपनियों पर गलत फायदा मिलता है। योजना से जुड़े लोगों ने बताया कि अमेरिकी

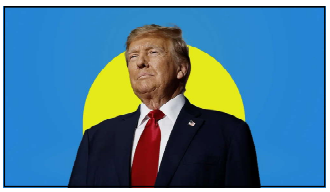

व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर इस हफ्ते जांच के नतीजों की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि टाइमलाइन बदल सकती है। प्रस्तावित टैरिफ को लेकर वाशिंगटन का कहना है कि कुछ देश जरूरत से अधिक इंडस्ट्रियल उत्पाद बना रहे हैं, और सब्सिडी, वित्तीय मदद और नीति समर्थन से विदेशी कंपनियां कम कीमत पर सामान बनाती हैं। फिर कंपनिया अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छे दाम पर बेंच रही हैं, जिससे अमेरिकी कंपनियों से मुकाबला मुश्किल हो रहा है। माना जा रहा है कि बराबरी का मौका न मिलने पर अमेरिकी कंपनियों को घाटा हो रहा है। ट्रंप के प्रस्तावित टैरिफ योजना में उन उत्पादों को कवर किया जाएगा जो भारत–चीन समेत 14 अन्य देश निर्यात करते हैं। इसमें स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल जैसे कुछ इंडस्ट्रियल सामान को इससे बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि उन पर पहले से अलग से टैरिफ लगा है। भारत पर कितना टैरिफ लगेगा, यह तय नहीं है, लेकिन सभी देशों पर टैरिफ अलग–अलग होंगे। भारत, चीन और वियतनाम पर दूसरे देशों की तुलना में अधिक टैरिफ हो सकता है। ट्रंप की योजना ऐसे समय आई है, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात कर रहे हैं।

